वर्ष : 34 ▸ अंक :37 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 14 अप्रैल 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ जमीयत का विरोध

● मौलाना बोले—'संविधान का उल्लंघन', सरकार से कानून वापस लेने की मांग

एजेंसी । नई दिल्ली

जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एमएम) ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ कड़ा विरोध जताते हुए इसे भारतीय संविधान की भावना और मूल अवधारणा का उल्लंघन करार दिया है। मौलाना महमूद मदनी की अध्यक्षता में संगठन की कार्य समिति की बैठक में इस कानून के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया।

'दूसरे दर्जे का नागरिक' बनाने की साजिश का आरोप

जमीयत ने आरोप लगाया कि यह संशोधन मुस्लिम समुदाय को हाशिए पर डालने और धार्मिक पहचान मिटाने की सुनियोजित कोशिश है। संगठन ने केंद्र पर "दूसरे दर्जे का नागरिक" बनाने की मानसिकता रखने का आरोप लगाते हुए अधिनियम को तत्काल वापस लेने की मांग की।

अनुच्छेद 26 का उल्लंघन : प्रस्ताव का दावा

बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों की नियुक्ति धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप है, जो संविधान के अनुच्छेद 26 का उल्लंघन करता है। प्रस्ताव में इसे बहुसंख्यकवादी मानसिकता की मिसाल बताया गया, जिसका जमीयत ने कड़ा विरोध किया। जमीयत ने सरकार से यह समझने की अपील की कि वक्फ कोई प्रशासनिक तंत्र नहीं बल्कि इस्लामी शरीयत का धार्मिक अंग है, जिसकी जड़ें कुरान और हदीस में हैं।

भ्रामक बयानों और दमन की निंदा

संगठन ने सरकार और विपक्ष के नेताओं द्वारा वक्फ संपत्तियों और अधिनियम को लेकर दिए गए बयानों को भ्रामक बताया और इनकी निंदा की। साथ ही विरोध प्रदर्शन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया गया।

यूसीसी को लेकर भी जताई आपत्ति

बैठक में उत्तराखंड में लागू समान नागरिक संहिता (UCC) के खिलाफ भी प्रस्ताव पारित किया गया। जमीयत का कहना है कि यह मुस्लिम पर्सनल लॉ को खत्म करने की कोशिश है, जो धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक गारंटी के विरुद्ध है।

'बुलडोजर कार्रवाई' पर जताई गहरी चिंता

कार्य समिति ने विभिन्न राज्यों में चल रही कथित बुलडोजर कार्रवाई पर भी आपत्ति जताई। प्रस्ताव में इसे सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना और कानून के शासन के खिलाफ बताया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि इससे न्याय और समानता जैसे लोकतांत्रिक सिद्धांत कमजोर हो रहे हैं।

हिंसा को बताया 'मानवता के खिलाफ अपराध'

जमीयत की बैठक में गाजा में इजरायली हमलों के खिलाफ भी प्रस्ताव पारित किया गया। इसे मानवता के खिलाफ गंभीर अपराध बताते हुए केंद्र सरकार से तत्काल युद्धविराम सुनिश्चित करने और घायल फलस्तीनियों की मदद के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की गई।

महाराष्ट्र के मंदिरों में लागू होगा ड्रेस कोड!

▸ शॉर्ट्स, स्कर्ट, फटी जींस और आपत्तिजनक कैप्शन वाली टी-शर्ट पर रोक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मंदिरों में अब ड्रेस कोड लागू करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। प्रदेश के कई मंदिरों ने श्रद्धालुओं से पारंपरिक और शालीन पोशाक पहनने की अपील की है। ट्रस्टों का मानना है कि धार्मिक स्थलों की गरिमा बनाए रखने के लिए ड्रेस कोड जरूरी है। हालांकि श्रद्धालुओं की प्रतिक्रियाएं इस पर मिली-जुली हैं।

ट्रस्ट ने जारी की सलाह, नहीं है अनिवार्य

पुणे के चिंचवड देवस्थान ट्रस्ट ने मोरगांव, थेऊर, सिद्धटेक, मोरया गोसावी संजीवन और रायगढ़ के मंदिरों में श्रद्धालुओं से 'उचित पोशाक' पहनकर आने की अपील की है। ट्रस्ट का कहना है कि यह ड्रेस कोड अनिवार्य नहीं है, बल्कि मंदिरों में शिष्टाचार और धार्मिक वातावरण बनाए रखने के लिए एक सम्मानजनक अनुरोध है।

श्रद्धालुओं की राय: नियम सही, लेकिन सख्ती नहीं होनी चाहिए

पुणे की निवासी अदिति काणे का कहना है कि छुट्टियों के दौरान लोग अचानक मंदिर चले जाते हैं और अधिकतर श्रद्धालु पहले से ही सभ्य वस्त्र पहनते हैं। ऐसे में ड्रेस कोड लागू करना जरूरी नहीं, लेकिन मंदिर अपनी अपेक्षाएं जरूर जाहिर कर सकते हैं।

ड्रेस कोड की पहल मुंबई से रत्नागिरी तक

मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर ने इस साल जनवरी में ड्रेस कोड लागू किया था। वहीं, रत्नागिरी के 50 मंदिरों में पिछले साल ही ड्रेस कोड की शुरुआत की गई थी, जहां श्रद्धालुओं को आपत्तिजनक कपड़ों से परहेज करने की अपील की गई थी।अहिल्यानगर जिले के 16 मंदिरों सहित कई जगहों पर जींस, स्कर्ट, शॉर्ट्स और ऐसे कपड़ों पर रोक लगाई गई है जो मंदिर की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। महाराष्ट्र मंदिर महासंघ और हिंदू जनजागृति समिति ने राज्यभर के मंदिरों में एक समान ड्रेस कोड लागू करने की मांग उठाई है।

टी-शर्ट पर लिखे संदेश भी न हों आपत्तिजनक

मुंबई निवासी वनिता सोमवंशी ने कहा कि मंदिर आस्था का स्थान है और यहां श्रद्धा के साथ उचित पोशाक में आना चाहिए। उन्होंने कहा कि फटी जींस या आपत्तिजनक कैप्शन वाली टी-शर्ट मंदिरों के माहौल के अनुकूल नहीं हैं, इसलिए इससे परहेज जरूरी है।

उत्तर भारत में भारी बारिश का अलर्ट

दिल्ली-NCR में बढ़ेगी गर्मी

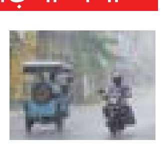

नई दिल्ली। उत्तर भारत में मौसम ने अचानक करवट ली है, और बिहार से लेकर बंगाल-झारखंड तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में अगले 24 घंटे में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के अनुसार, एक नया पश्चिमी विक्षोभ इस समय पूर्व दिशा की ओर बढ़ रहा है, जिसके प्रभाव से मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों में चक्रवातीय परिसंचरण का निर्माण हो रहा है। इसके चलते दक्षिण-पूर्व मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में आंधी और पानी की संभावना जताई जा रही है। अगले 24 घंटों के दौरान, इन राज्यों में तेज बारिश के साथ-साथ 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

मायावती ने भतीजे को किया माफ, BSP में होगी वापसी

उत्तराधिकारी बनाने का सवाल नहीं : मायावती

एजेंसी । लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (BSP) की प्रमुख मायावती ने पार्टी से निष्कासित किए गए अपने भतीजे आकाश आनंद को माफ कर दिया है। आकाश ने बुआ मायावती से माफी मांगते हुए X (पूर्व में ट्विटर) पर चार पोस्ट की थीं, जिसके बाद मायावती ने उनका पक्ष लेते हुए उन्हें एक और मौका देने का निर्णय लिया।

आकाश की माफी और भविष्य की प्रतिबद्धता

मायावती ने कहा कि आकाश ने सार्वजनिक तौर पर अपनी गलतियों को स्वीकार किया और सीनियर नेताओं का सम्मान करने, साथ ही अपने ससुर की बातों से प्रभावित न होने का संकल्प लिया है। उन्होंने आगे कहा कि आकाश पार्टी और मूवमेंट के लिए अपने जीवन को समर्पित करने का वादा कर चुके हैं, इसलिए उन्हें पार्टी में वापस लेने का निर्णय लिया गया है।

मायावती ने उत्तराधिकारी को लेकर भी अपना रुख स्पष्ट किया। उन्होंने X पर लिखा कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और जब तक स्वस्थ रहेंगी, तब तक पार्टी और मूवमेंट के प्रति समर्पित रहेंगी।

ठाणे में 20 से ज्यादा चालान वाले रिक्शों का परमिट होगा रद्द!

▸ ट्रैफिक पुलिस ने आरटीओ को भेजा प्रस्ताव

▸ 7 हजार से ज्यादा रिक्शा चालकों पर कार्रवाई की तैयारी

धर्मेंद्र उपाध्याय । ठाणे

ठाणे में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी कर मनमानी करने वाले रिक्शा चालकों पर अब बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। ट्रैफिक विभाग ऐसे रिक्शों का परमिट रद्द कराने जा रहा है, जिन पर 20 से अधिक ट्रैफिक चालान लंबित हैं। इसके लिए जल्द ही आरटीओ को पत्र भेजा जाएगा।

रिक्शा चालकों की मनमानी पर लगेगी लगाम

ट्रैफिक डीसीपी पंकज शिरसाट के मुताबिक, ऐसे कई रिक्शा चालक हैं जो तीन की जगह चार सवारी बैठाते हैं, गलत जगह पार्किंग करते हैं और लगातार नियमों का उल्लंघन करते हैं। चालान कटने के बावजूद वे भुगतान नहीं करते। ऐसे 7,773 रिक्शों की पहचान की गई है जिन पर 20 से ज्यादा चालान दर्ज हैं। अब इनका परमिट रद्द करने की प्रक्रिया शुरू होगी।

2.83 लाख से ज्यादा चालान, 25 करोड़ बकाया

वर्ष 2019 से 2024 तक ट्रैफिक विभाग ने कुल 2,83,393 चालान जारी किए हैं। इनमें रिक्शों पर 25 करोड़ रुपये से अधिक की चालान राशि अब भी बकाया है। बड़ी संख्या में रिक्शा चालक ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई को गंभीरता से नहीं लेते, क्योंकि इन चालानों की वसूली नहीं हो रही।

आरटीओ की कार्रवाई सीमित, पुलिस चालान रह जाते हैं लंबित

वर्तमान में रिक्शा पासिंग के समय आरटीओ केवल अपनी कार्रवाई की राशि की वसूली करता है, जबकि ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी चालानों पर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जाता। इसी वजह से रिक्शा चालकों में नियमों को लेकर लापरवाही बनी हुई है।

500 से शुरू होकर 1500 तक पहुंचता है जुर्माना

ट्रैफिक नियम तोड़ने पर पहली बार 500 रुपये और अगली बार 1500 रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। फिर भी कई रिक्शा चालक बार-बार नियम तोड़ने से नहीं रुकते।

नागरिकों की जागरूकता भी जरूरी

डीसीपी शिरसाट ने कहा कि यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए सिर्फ पुलिस ही नहीं, नागरिकों की जिम्मेदारी भी है। जब लोग खुद शेयर रिक्शों में चार सवारी बैठने की अनुमति देते हैं, तो वे भी इस समस्या का हिस्सा बनते हैं। इसलिए जरूरी है कि लोग अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी समझें और ट्रैफिक नियमों का पालन करें। ट्रैफिक विभाग की इस पहल से उम्मीद की जा रही है कि शहर की सड़कों पर नियमों का पालन सख्ती से होगा और अनियंत्रित रिक्शा संचालन पर रोक लगेगी।

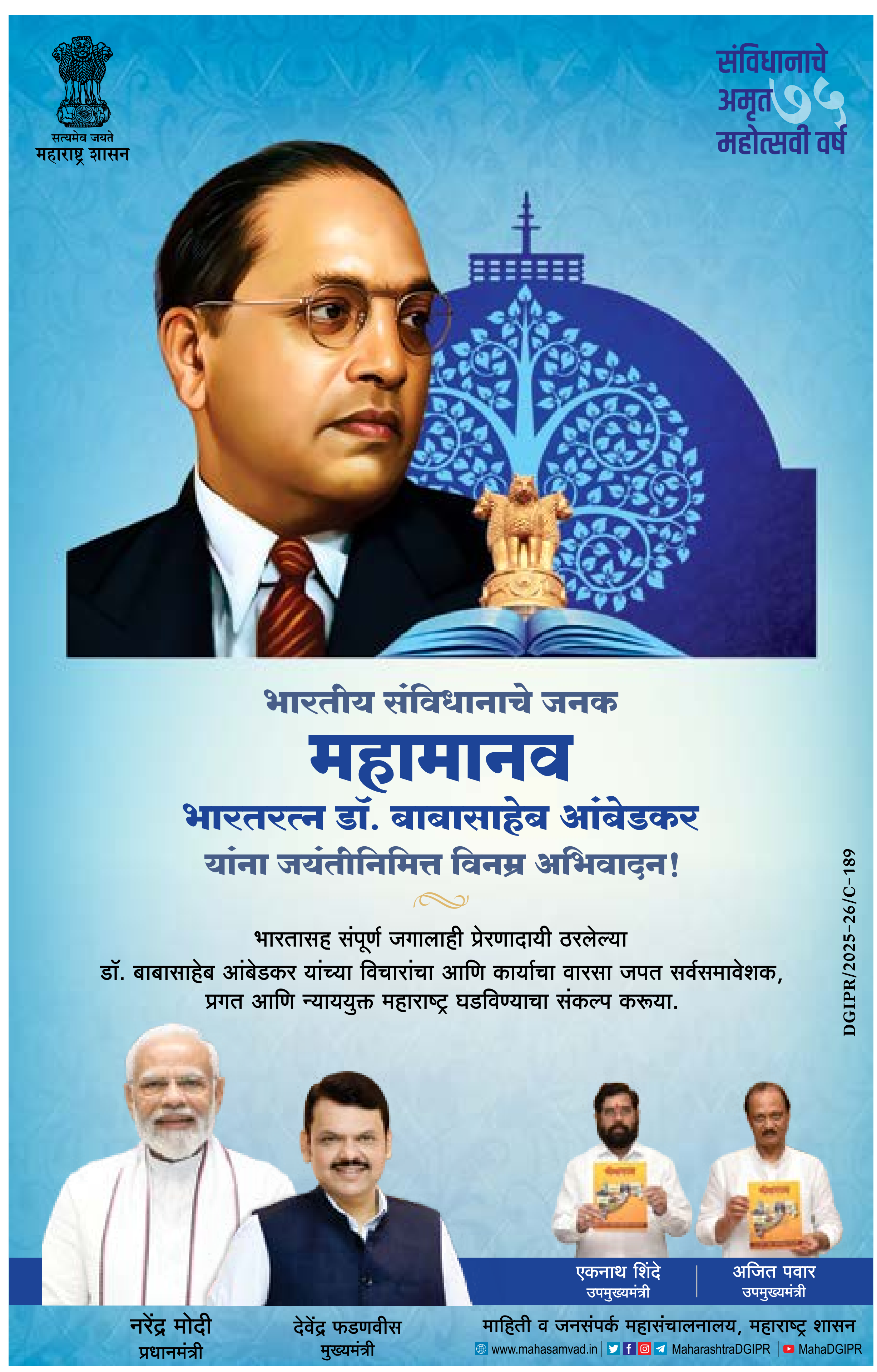

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

लोकप्रिय सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाळ्या मामा के प्रयासों को मिली सफलता

भिवंडी। भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाळ्या मामा के निरंतर और प्रभावी प्रयासों को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। अपने लोकसभा क्षेत्र के नागरिकों के लिए रेल सेवाओं के आधुनिकीकरण और सुधार हेतु उन्होंने लगातार वरिष्ठ मंत्रियों के साथ संवाद साधा, स्थानीय समस्याओं को समय पर उठाया और अब इन प्रयासों को ठोस रूप में सफलता मिली है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा कि है की अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र के 132 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इस योजना के माध्यम से रेलवे स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्वच्छता, सुरक्षा, यात्रियों की सुगम पहुंच और ठहराव को प्राथमिकता दी जाएगी। स्टेशनों की संरचना पूरी तरह यात्री केंद्रित होगी, जिसमें उन्नत प्रतीक्षालय, आधुनिक प्रवेश द्वार, लिफ्ट, एस्केलेटर, स्वच्छ शौचालय और डिजिटल सूचना प्रणाली जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं को शामिल किया जाएगा।

इसके साथ ही कल्याण से बदलापुर मार्ग पर तीसरी और चौथी लाइन तथा कल्याण से आसनगांव के बीच चौथी लाइन का कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा। इन नई लाइनों के निर्माण से उपनगरीय रेलवे सेवाओं की गति में वृद्धि होगी, ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकेगी और यात्रा का समय एवं भीड़ दोनों में कमी आएगी। इससे दैनिक यात्रियों का सफर और अधिक तेज़, सुरक्षित और सुविधाजनक हो जाएगा। यह उपलब्धि सांसद सुरेश म्हात्रे (बाळ्या मामा) के अथक प्रयासों और जनसेवाभावी दृष्टिकोन का प्रत्यक्ष परिणाम है। वे भविष्य में भी अपने लोकसभा क्षेत्र के नागरिकों की अपेक्षाओं को पूर्ण करने और सुविधाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

सामाजिक कार्यकर्ता ने मुख्यमंत्री को भेजा लिखित ज्ञापन

मांग पूरी न होने पर 1 मई को मनपा मुख्यालय के सामने आत्मदाह करने की दी चेतावनी

भिवंडी। मांग न पूरी होने पर भिवंडी के सामाजिक कार्यकर्ता जाहिद मुख्तार शेख ने मुख्यमंत्री को लिखित निवेदन भेजकर चेतावनी दी है कि वह 01 मई 2025 को मनपा मुख्यालय के सामने आत्मदाह करने जा रहा है।

मुख्यमंत्री को भेजे गए निवेदन में जाहिद मुख्तार शेख ने बताया है कि मेरा तात्पर्य भिवंडी, निज़ामपुर शहर महानगर पालिका आयुक्त से है।मैं भिवंडी मनपा के मुख्य कार्यालय के सामने शहर की कई गंभीर समस्या को लेकर दो बार भूख हड़ताल पर बैठ चुका हूं, लेकिन आज तक उक्त शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। तेज धूप में नंगे पैर बैनर हाथ में लेकर घंटो खड़ा रहा, लेकिन प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। इसलिए मैंने फैसला किया है कि यदि 1 मई 2025 के पहले मेरी शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो मैं मनपा मुख्यालय के सामने आत्मदाह करने पर मजबूर हूंगा।

मेरा संदर्भ सड़क और शहर में बने उड़ान पुल और पोल्स पर केबल के तार जंगल की तरह फैले हैं।इसी तरह सीसीटीवी कैमरा के केबल के लिए डाली जाने वाली पाइप और गैस पाइप लाइन डालने के लिए सड़क के किनारे बेतरतीब तरीके से की गई खुदाई का काम करके वैसे ही लीपापोती करके छोड़ दिया गया है।उसे ठीक से भर कर समतल नहीं किया गया। तमाम ईंट पत्थर बिखरे पड़े है।जिनके कारण हो रही दुर्घटना से बाईक सवार युवाओं की मृत्यु हो गई और उनके हाथ-पैर टूट गए, उनको न्याय दिलाने और निर्दोष युवकों की जान न जाए, इसलिए मैंने अनशन कर आयुक्त को इस समस्या का हवाला दिया है, लेकिन भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका के माध्यम से आज तक कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण मैं युवकों की जान बचाने में असमर्थ रहा, मुझे इस बात का बहुत दुःख है और मुझमें ऐसी पीड़ा सहने की ताकत नहीं है। इसलिए मैंने आत्मदाह करने की योजना बनाई है। महोदय मैं एक सामाजिक कार्यकर्ता और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में भिवंडी शहर के युवाओं की जान बचाने में असमर्थ था, इसलिए मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि आप मेरी यह वेदना दर्ज करके उचित सहयोग करें। नहीं तो मैं 01/05/2025 को भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगर पालिका मुख्यालय के सामने आत्मदाह करने जा रहा हूं। जिसकी जिम्मेदारी भिवंडी मनपा प्रशासन और शासन की होगी।

विशाल गवली की संदिग्ध आत्महत्या पीड़ित परिवार ने जताया संतोष !

कल्याण। तलोजा जेल में बलात्कार और हत्या के आरोपी विशाल गवली की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है, जिसके बाद उनके परिवार ने हत्या की आशंका जताई है। गवली के वकील संजय धनके ने बताया कि परिवार को शक है कि उनके बेटे की हत्या की गई है, और उन्होंने बदलापुर के घटना का जिक्र किया।

विशाल गवली की आत्महत्या के मामले में उनके परिवार ने कई सवाल उठाए हैं। गवली के वकील संजय धनके ने कहा कि विशाल गवली का परिवार मानता है कि उनका बेटा आत्महत्या नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे बदलापुर में स्कूल की लड़कियों के यौन उत्पीड़न के आरोपी की पुलिस मुठभेड़ हुई थी, वैसे ही उनके बेटे को भी जेल में मारा गया।

धनके ने बताया कि जब विशाल गवली को गिरफ्तार किया गया था, तब उसने अदालत में जज के सामने अपनी जान को खतरा बताते हुए उचित सुरक्षा की मांग की थी। गवली के वकील ने गवली की आत्महत्या की उचित जांच की मांग की है। विशाल गवली के खिलाफ आरोप है कि उसने पिछले साल 23 दिसंबर को अपने क्षेत्र की 13 वर्षीय लड़की का अपहरण किया, उसे अपने घर ले जाकर बलात्कार किया और बाद में बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद, आरोपी ने अपनी पत्नी साक्षी की मदद से लड़की के शव को भिवंडी के पाढा में एक सुनसान जगह पर फेंक दिया। इस घटना ने राज्यभर में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया, जिसमें नागरिकों ने आरोपियों के लिए फांसी की सजा की मांग की थी। विशाल गवली ने तळोजा मध्यवर्ती कारागृह में आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद तळोजा कारागृह में हड़कंप मच गया। गवली ने सुबह कारागृह के टॉबेल से फांसी लगाकर आत्महत्या की।

गवली का शव एक निजी अस्पताल में शव परीक्षण के लिए भेजा गया है। गवली की आत्महत्या के बाद पीड़ित लड़की के परिवार ने संतोष व्यक्त किया है। लड़की के पिता ने अपनी बेटी की तस्वीर के सामने दीप जलाया और कहा, 'नराधम विशाल गवली ने जो क्रूरता हमारी बेटी के साथ की, उसके लिए उसे कोई माफी नहीं मिल सकती। हम न्याय के लिए लड़ाई लड़ रहे थे, लेकिन भगवान ने उसे सजा दी है। यहां न्याय हुआ है। हम मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का दिल से धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने हमें समय-समय पर सहयोग और समर्थन दिया। प्रशासन ने भी सही काम किया है।'

इस दौरान, पीड़ित लड़की के पिता ने विशाल गवली के परिवार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'गवली के दोनों भाई भी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और वे हमेशा इलाके में आतंक फैलाते हैं। उनके पास हथियार भी हैं। केवल उसके भाई ही नहीं, बल्कि उसके पिता भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। हमें अपने परिवार पर हमले की आशंका है।

दिवा में मैंग्रोव काटकर अवैध निर्माण

खाड़ी किनारे मिट्टी भराई करने वाले पर मामला दर्ज

ठाणे। दिवा पश्चिम के देसाई खाड़ी क्षेत्र में भू-माफियाओं द्वारा मैंग्रोव पेड़ों की अवैध कटाई कर जमीन भरने की घटना सामने आई है। इस गंभीर मामले को देखते हुए दिवा के ग्राम राजस्व अधिकारी ने मुंब्रा मंडल अधिकारी के साथ 20 मार्च 2025 को उग्रेश्वर मंदिर और गणेश घाट के पास के खाड़ी क्षेत्र का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि यह भूमि एक नाले के निकट है और वहां बड़े पैमाने पर मिट्टी डाली गई है। स्थानीय पूछताछ में सामने आया कि यह काम प्रदीप पाटिल नामक व्यक्ति द्वारा किया जा रहा था।

प्रांतीय मजिस्ट्रेट उर्मिला पाटिल और तहसीलदार उमेश पाटिल ने बताया कि निरीक्षण के बाद प्रदीप पाटिल के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 15 और 17 के तहत मुंब्रा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। तहसीलदार उमेश पाटिल ने मोबाइल पर बातचीत में जानकारी दी कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अब देखना यह है कि प्रशासन पर्यावरण संरक्षण को लेकर कितनी सख्ती और तत्परता दिखाता है।

12 वर्षीय सोहम ने दिखाई ईमानदारी

झाड़ियों में मिला एक लाख का iPhone लौटाया

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

डोंबिवली पश्चिम के गुप्ते रोड स्थित जय हिंद कॉलोनी में खेलने के दौरान एक 12 वर्षीय लड़के सोहम नरेश परदेशी को झाड़ियों में करीब 1 लाख रुपये का iPhone मिला। लेकिन सोहम ने बिना किसी लालच के यह फोन अपने पिता के माध्यम से पुलिस को सौंप दिया। घटना के अनुसार, सोहम अपने दोस्त के साथ खेल रहा था, तभी गेंद ढूंढते समय उसकी नजर झाड़ियों में पड़े iPhone पर पड़ी। उसने तुरंत यह बात अपने पिता नरेश परदेशी को बताई, जिन्होंने विष्णुनगर पुलिस स्टेशन जाकर पुलिस निरीक्षक (अपराध) गहीनीनाथ गमे को फोन सौंप दिया।

पुलिस ने की तारीफ़

पुलिस ने सोहम की ईमानदारी की खुले दिल से सराहना की और कहा कि इस उम्र में इतनी सच्चाई और नैतिकता दिखाना काबिल-ए-तारीफ है। यह उदाहरण समाज के लिए प्रेरणा है कि सच्चाई और ईमानदारी आज भी जिंदा है।

सामाजिक समानता सप्ताह के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यशाला

राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति पर विशेषज्ञ ने दी जानकारी, बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता

ठाणे। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 134वीं जयंती और उनके सम्मान में मनाए जा रहे सामाजिक समानता सप्ताह के अवसर पर ठाणे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह सप्ताह डॉ. आंबेडकर की 125वीं जयंती से शुरू हुआ था और इस वर्ष इसका दसवां संस्करण आयोजित हो रहा है।

कार्यशाला में "राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति 2007" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञ प्रमोद ढोकले ने सरल और स्पष्ट भाषा में कानून की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जो सरकारी अवकाश के बावजूद बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ठाणे के समाज कल्याण सहायक आयुक्त समाधान इंगले ने की। मंच पर पारसिक वरिष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष चंद्रशेखर गाडे, कलवा संघ के अध्यक्ष मधुसूदन गोडबोले, राशमी संघ के अध्यक्ष रत्नाकर पवार सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे।

समाधान इंगले ने अपने मार्गदर्शन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, उनके लाभ, कानूनों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सहायक लेखा अधिकारी अरुण सालुंके ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन समाज कल्याण निरीक्षक अभिजीत शिंदे ने किया।

पालघर में पहाड़ी से गिरकर श्रद्धालु की मौत

पालघर । पालघर की डहाणू तहसील में स्थित प्रसिद्ध महालक्ष्मी मंदिर के पास एक हादसे में सूरत निवासी एक श्रद्धालु की मौत हो गई। श्रद्धालु महालक्ष्मी देवी के दर्शन के बाद मंदिर के पास स्थित पर्वतीय चोटी की चढ़ाई कर रहा था, तभी उसका पैर फिसल गया और वह गहरी खाई में गिर गया। मृतक की पहचान सूरत के 38 वर्षीय मेरिक कांचवाला के रूप में हुई है। मेरिक अपने कुछ मित्रों के साथ महालक्ष्मी देवी के दर्शन के लिए आया था। दर्शन के बाद सभी लोग पास की ऊँची चोटी की ओर गए थे।चोटी पर चढ़ते समय मेरिक का संतुलन बिगड़ गया और वह गहरी खाई में गिर पड़ा। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

शिवसेना यूबीटी की उपनेता संजना घाडी शिंदे समूह में शामिल

मुंबई। शिवसेना यूबीटी की उपनेता और प्रवक्ता संजय घाडी अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ रविवार को शिंदे समूह की शिवसेना में शामिल हो गई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पार्टी में उन्हें पूरी तरह सम्मान दिया जाएगा। संजना घाडी शिवसेना यूबीटी की प्रवक्ता, उपनेता के साथ पूर्व नगरसेवक भी रह चुकी हैं। कांदिवली और मागाठाणे विधानसभा क्षेत्र में उनका वर्चस्व माना जाता है। इसलिए मुंबई नगर निगम चुनाव से पहले संजना घाड़ी के शिवसेना यूबीटी छोड़ने से उद्धव ठाकरे को करारा झटका लगा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि धनुष-बाण और भगवा ध्वज हमारी आस्था, हमारी सांस और हमारा गौरव हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी को आशातीत सफलता मिली है। इस चुनाव ने साबित कर दिया है कि उनकी शिवसेना ही असली है। संजना घाड़ी जमीन से जुड़ी कार्यकर्ता हैं, उनके पार्टी में आने से पार्टी को फायदा होगा। इस अवसर पर विधान परिषद की उपसभापति एवं शिवसेना नेता विधायक डॉ. नीलम गोरहे उपस्थित थीं।

ठाकरे गुट में मचा हड़कंप

शिंदे की शिवसेना में एक साथ 3 नेताओं की हुई एंट्री

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में बीएमसी चुनाव को लेकर चर्चाएं तेज है। इस दौरान एकनाथ शिंदे की शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट को खाली करने का काम कर रही है। इसी के चलते अब शिवसेना यूबीटी कुछ जगहें और खाली हो गई है। क्योंकि 13 अप्रैल को यूबीटी गुट के नेताओं ने शिंदे की शिवसेना को जॉइन कर लिया है। जो कि उद्धव ठाकरे गुट के लिए बहुत बड़ा झटका है।

यूबीटी समूह की उपनेता एवं प्रवक्ता संजना घाडी एवं उनके पति पूर्व नगरसेवक संजय घाडी ने सार्वजनिक रूप से एकनाथ शिंदे की शिवसेना पार्टी की सदस्यता हासिल की। इस अवसर पर उनका पार्टी में स्वागत किया गया तथा आगामी मनपा चुनाव के मद्देनजर पार्टी के विस्तार में सक्रिय रहने की अपील की गई।

संजना घाडी को सौंपी दोहरी जिम्मेदारी

इस अवसर पर पार्टी की ओर से संजना घाडी को शिवसेना उपनेता एवं पार्टी प्रवक्ता की दोहरी जिम्मेदारी सौंपी गई। वरिष्ठ नगरसेवक राम रेपाले की पहल पर पार्टी में शामिल होने के कार्यक्रम में विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरहे, महिला नेता मीनाताई कांबली, सचिव संजय मोरे, पूर्व नगरसेविका राजुल पटेल, विभाग प्रमुख स्वप्निल टेम्भुलकर के साथ ही बड़ी संख्या में शिवसेना पदाधिकारी और शिवसैनिक शामिल हुए।

पूर्व नगरसेवक नाना अंबोले शिवसेना में शामिल

पूर्व नगरसेवक नाना अंबोले भी आज सार्वजनिक रूप से शिवसेना पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने पार्टी में उनका स्वागत किया तथा उनके भावी सामाजिक एवं राजनीतिक सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्हें वर्ली-शिवडी विधानसभा समन्वयक भी नियुक्त किया गया। इस अवसर पर शिवसेना सचिव संजय मोरे, पूर्व वरिष्ठ नगरसेवक राम रेपाले सहित शिवसेना पदाधिकारी और शिवसैनिक उपस्थित थे।

हाल ही में बने थे प्रवक्ता

कुछ दिन पहले ही उद्धव ठाकरे ने संजय घाडी को प्रवक्ता बनाया था। इस दौरान संजना घाडी चैनल डिबेट में उद्धव की पैरवी करते भी नजर आ रही थीं। संजना घाडी का ठाकरे गुट को 'जय महाराष्ट्र' कहना और शिवसेना में शामिल होना उद्धव ठाकरे के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। अब तक संजना घाडी को मुंबई में ठाकरे गुट की शिवसेना के लिए अहम नेता माना जाता रहा है। इससे पहले वह पार्षद भी रह चुकी हैं।

आईपीएस अधिकारी पर दुष्कर्म का आरोप

सोशल मीडिया पर दोस्ती, शादी का वादा और फिर धोखा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

एक आईपीएस अधिकारी पर एक महिला डॉक्टर ने शादी का झांसा देकर रेप करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने इमामबाड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंस्टाग्राम से शुरू हुई दोस्ती, प्यार में बदला रिश्ता

शिकायतकर्ता महिला डॉक्टर के अनुसार, उसकी आरोपी से पहचान इंस्टाग्राम पर हुई थी। उस वक्त वह एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थी और आरोपी यूपीएससी की तैयारी कर रहा था। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई और दोनों मिलने-जुलने लगे। इस दौरान आरोपी ने शादी का वादा किया और कई बार संबंध बनाए। बाद में पीड़िता ने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली और आरोपी का भी यूपीएससी में चयन हो गया।

आईपीएस बनने के बाद बदला बर्ताव

पीड़िता का आरोप है कि आईपीएस बनने के बाद आरोपी का व्यवहार बदल गया। वह दूरी बनाने लगा और जब महिला ने शादी की बात की तो साफ इनकार कर दिया। महिला ने आरोपी के परिवार से भी मदद की गुहार लगाई, लेकिन वहां से भी कोई समर्थन नहीं मिला। अंततः महिला ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई।

पुलिस कर रही जांच

पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी अधिकारी को नोटिस जारी कर बयान के लिए बुलाया गया है। चूंकि मामला विभागीय है, इसलिए पुलिस के अधिकारी इस पर खुलकर बयान देने से बच रहे हैं।

मुंबई में गहराया जलसंकट

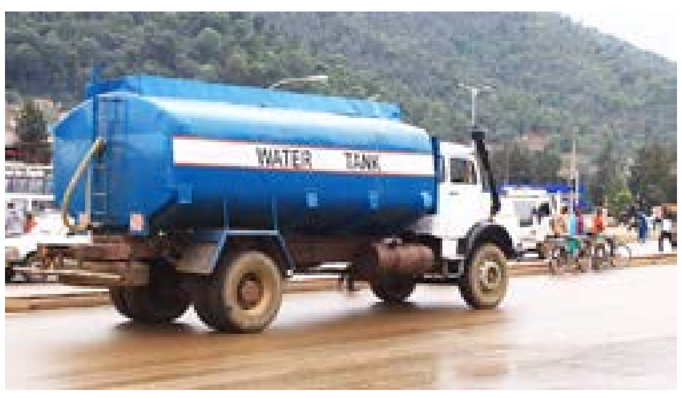

टैंकर हड़ताल के बीच BMC कर रही डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट लागू करने पर विचार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

जल संकट से जूझ रही मुंबई में हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। वाटर टैंकर संगठनों की अनिश्चितकालीन हड़ताल ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई इलाकों में पीने के पानी तक के लिए लोगों को संघर्ष करना पड़ रहा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) अब बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है।

डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के तहत लाए जाएंगे टैंकर और कुएं

BMC अब वाटर टैंकर और कुओं को डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट, 2005 के तहत लाने पर विचार कर रही है। अगर यह प्रस्ताव मंजूर होता है, तो इन जलस्रोतों पर प्रशासन का सीधा नियंत्रण होगा और हड़ताल जैसी स्थितियों से निपटना आसान हो जाएगा। इससे पानी की आपूर्ति को आपातकालीन सेवा घोषित किया जा सकेगा।

हड़ताल ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

महाराष्ट्र वाटर टैंकर एसोसिएशन (MWTA) अपनी मांगों को लेकर बीते कई दिनों से हड़ताल पर है। संगठन BMC के उस आदेश का विरोध कर रहा है जिसमें खुले कुओं और बोरवेल्स के मालिकों के लिए CGWA से NOC लेना अनिवार्य किया गया है। इस हड़ताल से शहर के हजारों परिवारों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है।

क्या है डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट?

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 एक केंद्रीय कानून है, जो प्राकृतिक और मानवजनित आपदाओं से निपटने के लिए लागू किया गया है। इसका उद्देश्य संकट की स्थिति में तेजी से कार्रवाई कर जान-माल के नुकसान को कम करना है। यदि वाटर टैंकर और कुएं इस अधिनियम के दायरे में आते हैं, तो BMC को आपूर्ति व्यवस्था पर नियंत्रण मिल जाएगा।

महाराष्ट्र में चल रहा मुगलों का शासन : आदित्य ठाकरे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने भाजपा की मानसिकता और विचारधारा पर हमला बोला है। आदित्य ठाकरे का मानना है कि महायुति गठबंधन में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। इस पर अमित शाह के रायगढ़ दौरे की चर्चाओं ने भी जोर पकड़ा है। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा की विचारधारा प्राचीन आक्रमणकारियों जैसी ही है।

आदित्य ठाकरे का ये बयान ऐसे समय में आया है जह महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज पर टिप्पणी करने के मामले पहले ही प्रशांत कोरटकर और राहुल सोलापुरकर के देखे जा चुके है। इन पर भले ही एफआईआर दर्ज हो चुकी है। लेकिन सजा अभी तक नहीं मिली है। ऐसे माहौल में भारतीय जनता पार्टी छत्रपति शिवाजी महाराज का गुणगान कर रही है।

'भाजपा की मानसिकता प्राचीन आक्रमणकारियों वाली'

शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे कहते हैं,मैंने पहले भी कहा है और अभी भी, भाजपा की मानसिकता वही है जो प्राचीन आक्रमणकारियों की थी। महिलाओं, किसानों, पुणे, छत्रपति संभाजी नगर की स्थिति देखें। ऐसा लगता है जैसे मुगल शासन चल रहा है। ये यहां आकर छत्रपति का अपमान करते है और फिर वो सोलापुरकर हो, कोरटकर हो।

महायुति में अंदरूनी कलह : आदित्य ठाकरे

इस दौरान आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे की पोल खुलने की भी बात कही। शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे कहते हैं, अब तक एशंसी ये बोल कर बच रहे थे कि फंड मिलते नहीं है। सिर्फ दो साल में, चंद जेबों में कितना पैसा गया है – इसकी जांच फडणवीस साहब करेंगे। लेकिन हकीकत यह है कि महायुति गठबंधन के भीतर, अगर आप बारीकी से देखें, तो सरकार बनने के बाद से ही अंदरूनी कलह चल रही है।

आदित्य ठाकरे ने कहा किदस दिनों तक किसी को नहीं पता था कि मुख्यमंत्री कौन होगा। सरकारी बंगलों, पालकमंत्री पदों को लेकर विवाद थे। लेकिन कहीं भी एक भी मंत्री का बयान सुनने नहीं मिला है जो किसान के लिए हो महिलाओं के लिए हो या विद्यार्थियों के लिए हो कही नहीं। गौरतलब हो कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह के रायगढ़ दौरे को राजनीतिक दौरे के रूप में देखा जा रहा था। इस दौरान ये कयास लगाए जा रहे थे कि पालक मंत्री को लेकर विवाद खत्म हो जाएगा। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं हुआ। सुनील तटकरे ने अपने बयान में बताया था कि अमित शाह की ये यात्रा पूरी तरह से गैर-राजनीतिक थी। इसलिए रायगढ़ के पालक मंत्री का सस्पेंस अभी आगे भी बना रहेगा।

मुंबई एयरपोर्ट पर 6.3 करोड़ का सोना बरामद

डीआरआई ने यात्री को किया गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर बैंकाक से आए एक यात्री को पकड़ा है, जिसके पास से 6.3 करोड़ रुपये कीमत का सोना बरामद हुआ है। इस यात्री ने 6.7 किलोग्राम सोने की छड़ें अपने जूतों में चालाकी से छिपाकर रखी थीं।

डीआरआई सूत्रों ने रविवार को बताया कि उनकी टीम को बैंकाक से एक यात्री के बारे में गोपनीय जानकारी मिली थी। इस पर डीआरआई की टीम बीती रात मुंबई एयरपोर्ट पर निगरानी कर रही थी। बैंकाक से आए एक यात्री को रोका गया। तलाशी के दौरान उसके जूतों में छिपाकर रखी गई सोने की 6.7 किलोग्राम सोने की छड़ें मिलीं। डीआरआई ने यात्री को गिरफ्तार कर लिया।

उससे पूछताछ के बाद सोने के खरीदार का पता चला है। इस मामले की छानबीन डीआरआई की टीम कर रही है।

पश्चिम रेलवे उधना एवं दानापुर के बीच चलाएगी अनारक्षित समर स्पेशल ट्रेन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा चल रही गर्मी की छुट्टियों के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से उधना एवं दानापुर के बीच विशेष किराए पर एक अनारक्षित समर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार ट्रेन का विवरण इस प्रकार है.

ट्रेन संख्या 09053/09054 उधना - दानापुर अनारक्षित स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09053 उधना - दानापुर स्पेशल सोमवार, 14 अप्रैल, 2025 को उधना से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:45 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09054 दानापुर-उधना स्पेशल मंगलवार, 15 अप्रैल, 2025 को दानापुर से 16:10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:30 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, बारडोली, नंदुरबार, अमलनेर, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशनों पर रुकेगी। यह ट्रेन पूरी तरह से अनारक्षित है तथा इसमें स्लीपर एवं सेकेंड क्लास कोच होंगे। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में भारी बारिश का अलर्ट

जलगांव सहित कुछ जिलों में गिरे ओले

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

देश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप जारी है। महाराष्ट्र में कुछ जिलों में बारिश जारी है तो कुछ जिलों में गर्मी का प्रकोप जारी है। दूसरी ओर बारिश के लिए अनुकूल वातावरण भी तैयार हो गया है। मौसम विभाग ने कई इलाकों में बारिश की चेतावनी दी है। वहीं मुंबई में भी बारिश का मौसम बन गया है और अगले एक-दो दिन तक बारिश की संभावना जताई गई है। विदर्भ के कुछ हिस्सों में अभी भी गर्मी का प्रकोप जारी है।

राज्य के कई हिस्सों में अब बारिश होने की संभावना है, जिससे गर्मी से राहत मिल सकती है। बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य में सक्रिय निम्न दबाव का क्षेत्र समाप्त हो गया है। हालांकि, राजस्थान के पश्चिम से लेकर विदर्भ के उत्तर तक एक निम्न दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। इससे उत्पन्न परिस्थितियों ने राज्य में वर्षा के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर दिया है। बढ़ती गर्मी के कारण वाष्पीकरण की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। इसके चलते राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो रही है।

जलगांव पिंपरी चिंचवड और नांदेड में हुई तेज बारिश

जलगांव, पिंपरी चिंचवड़ और नांदेड में रविवार को तेज हवाओं के साथ आधे घंटे तक भारी बारिश हुई। महाराष्ट्र में मौसम विभाग ने पहले ही कई जिलों में भारी बारिश की संभावनाएं जताई थी। आज जलगांव जिले के कई हिस्सों में भारी बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई। सुबह से ही सूरज बादलों के पीछे छिपा हुआ था। जिसके पश्चात दोपहर डेढ़ बजे अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग ने बेमौसम बारिश की चेतावनी दी थी।

कई जिलों में होगी वर्षा

मौसम विभाग ने नंदुरबार, कोल्हापुर, सांगली, सातारा, सोलापुर, छत्रपति संभाजीनगर, जालना और बीड में गरज के साथ बारिश की भविष्यवाणी की है। सोमवार के बाद लातूर, धाराशिव, भंडारा, चंद्रपुर, गढ़चिरोली और यवतमाल में तेज बारिश होगी। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। कोंकण में मुंबई, सिंधुदुर्ग, रायगढ़, ठाणे और पालघर जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है।

गर्मी का प्रकोप जारी

हालांकि, राज्य में बारिश का मौसम है, लेकिन सूरज की तपिश जारी है। यद्यपि बारिश के बाद कुछ समय के लिए तापमान कम हो जाता है, लेकिन आसमान साफ होते ही फिर यह पुनः बढ़ जाता है। अधिकांश क्षेत्रों में तापमान अभी भी 40 डिग्री के आसपास बना हुआ है। हालांकि, कुछ दिनों से तटवर्ती इलाकों में तापमान में कमी आ रही है और यह कमी पिछले कुछ दिनों से जस की तस बनी हुई है।

2026 के अंत तक किसानों को 12 घंटे मुफ्त बिजली

मुख्यमंत्री फडणवीस ने वर्धा में की बड़ी घोषणा, आम नागरिकों को भी मिलेगा फायदा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को वर्धा जिले के आर्वी में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन समारोह में ऐलान किया कि दिसंबर 2026 तक राज्य के 80 प्रतिशत किसानों को सालभर हर दिन 12 घंटे मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने किसानों की मांगों को ध्यान में रखते हुए कई ठोस कदम उठाए हैं और उनका क्रियान्वयन शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि 2025 से 2030 के बीच आम बिजली उपभोक्ताओं के बिल हर वर्ष घटाए जाएंगे, जिससे राज्य के नागरिकों को राहत मिलेगी। इसके अलावा 300 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को सौर ऊर्जा के माध्यम से मुफ्त बिजली देने की योजना पर भी काम जारी है।

फडणवीस ने वर्धा जिले में चल रही सिंचाई परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अपर वर्धा परियोजना और वाढवण-पिंपलखुटा जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों को पर्याप्त पानी और बिजली की सुविधा मिलेगी। साथ ही, समृद्धि महामार्ग पर लॉजिस्टिक्स हब की स्थापना कर रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न किए जाएंगे।

इस मौके पर गृह राज्यमंत्री और पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर, सांसद अमर काले, विधायक दादाराव केचे, सुमीत वानखेडे, समीर कुणावर, राजेश बकाने, पूर्व सांसद रामदास तडस, जिलाधिकारी वान्मथी सी., और जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जितीन रहमान भी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे

ओएचई पर एंटी-बर्ड डिस्क का प्रावधान

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (उप), पश्चिम रेलवे, मुंबई मध्य **ई-निविदा संख्या: WR-MMCTOESUB(ESOT)/13/2024 दिनांक:11.04.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:चर्चगेट विरार खंड:**-पक्षियों के घोंसले के कारण होने वाली विफलताओं को रोकने के लिए ओएचई संरचनाओं पर ओएचई इंसुलेटर और एचडीपीई नेटिंग पर एंटी-बर्ड डिस्क का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत:**78,37,944/-, **बोली सुरक्षा:**1,56,800/-,**प्रस्तुत करने की तिथि और समय:** 09.05.2025, 15:00 बजे तक घंटे। **खुलने की तिथि और समय:** 09.05.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएँ

0040

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मरम्मत कार्य

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कोचिंग) मुंबई सेंट्रल - 400008, **क्रमांक : 1. निविदा सूचना संख्या: WR-MMCT0ECOA(ECTD)/7/2025 O/o SRDEE/CHG/MMCT/W (कंप्यूटर संख्या 608400), दिनांक: 11.04.2025. आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** KEL, किरियोस्कर ग्रीव्स कॉटन, लेरॉय सोमर और स्टैमफोर्ड मेक अल्टरनेटर के पावर कारों के 3 फेज 750 वोल्ट 500 KVA अल्टरनेटर की मरम्मत, रीवाइंडिंग, रीकंडीशनिंग ओवरहालिंग। **स्थान: मुंबई सेंट्रल। कार्य की अनुमानित लागत: 31,67,120, बोली सुरक्षा: 63400/-, क्रमांक:2. निविदा सूचना क्रमांक: WR-MMCT0ECOA(ECTD)/14/2025 O/o SRDEE/CHG/MMCT/W (कम्प्यूटर क्रमांक 625587), दिनांक: 11.04.2025. कार्य का नाम:** डायनाड्राइव और फ्लोर माउंटेड रेगुलेटर टेस्टिंग यूनिट को मुंबई सेंट्रल से वलसाड डिपो में स्थानांतरित करना। **स्थान: मुंबई सेंट्रल और वलसाड। कार्य की अनुमानित लागत:** 17,70,000/-, **ईएमडी:** 35400/-,**दोनों निविदाओं को प्रस्तुत करने की तिथि और समय:** 09.05.2025, 15:00 बजे तक। **दोनों निविदाओं को खोलने की तिथि और समय:** 09.05.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएँ

0046

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

टैरिफ़ वॉर ठहरा है, स्थगित नहीं हुआ

एक अप्रत्याशित फैसले के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दुनिया भर के देशों के खिलाफ़ छेड़ा गया टैरिफ़ युद्ध 90 दिनों के लिये रोक लिया है। हालांकि उन्होंने अपनी मंशा साफ कर दी है कि वे 'रेसिप्रोकल टैरिफ़' के अपने फैसले पर अडिग हैं। 75 देश ऐसे हैं जो ट्रम्प के इस व्यवसायिक युद्ध विराम से कुछ राहत तो पायेंगे लेकिन उनकी यह आशंका अभी खत्म नहीं हुई है कि 90 दिनों के बाद जब बढ़ी हुई दरें लागू होंगी तो उनके कारोबार का क्या होगा। साथ ही, अपने मुख्य प्रतिस्पर्धी चीन को राहत देने की बजाय उसकी सामग्रियों पर 125 प्रतिशत टैरिफ़ लागू करने का ऐलान कर साफ कर दिया है कि वह अपने वैचारिक प्रतिद्वंद्वी के साथ कारोबार के मोर्चे पर बड़ी लड़ाई से पीछे नहीं हट रहे हैं। अमेरिका के सभी 50 राज्यों में जो ट्रम्प विरोधी प्रदर्शन हुए, उसका प्रमुख कारण बढ़ाया गया टैरिफ़ ही था। ट्रम्प व रिपब्लिकन सरकार की लोकप्रियता इसके कारण देश में तो गिरी ही, अंतरराष्ट्रीय पटल पर भी उसकी आलोचना हो रही है। अमेरिकियों का मानना है कि इससे अमेरिका दुनिया भर में अपने सहयोगियों के साथ साख भी खो रहा है। चाहे यह फैसला कुछ दिनों के लिये आगे बढ़ा हो पर ट्रम्प इसे लेकर जिस कदर उत्साहित हैं उससे लगता नहीं कि वे यह कदम वापस लेंगे। अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उन्होंने जो भाषण दिया उसमें लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित राष्ट्राध्यक्ष की बजाय किसी तानाशाह की सी ध्वनि निकलती है। पहले तो उन्होंने कहा कि 'इस ऐलान के बाद अमेरिका में इतना पैसा आ रहा है जितना पहले कभी नहीं देखा गया।' वास्तविकता तो यह है कि अभी इस फैसले पर ठीक से अमल शुरू भी नहीं हुआ है पर अमेरिकी नागरिकों में चिंता है कि बहुत सी वस्तुएं उन्हें महंगी मिलेंगी, खासकर जिनके लिये अमेरिका पूरी तरह से आयात पर निर्भर है। इतना ही नहीं, ट्रम्प ने निर्लज्जतापूर्वक एक ऐसी गर्वोक्ति की जो कि शर्मनाक व असंसदीय है; जिसे न उद्धृत किया जा सकता है और न ही अभिव्यक्त। अमेरिकी शब्दावली में कहे गये उनके बयान का आशय यह था कि दुनिया एक तरह से उनके कदमों में आ गयी है। 90 दिन टलने के कारण जो उछाल आया वही बताने के लिये काफी है कि ट्रम्प का टैरिफ़ वॉर किस कदर से शेयर बाजारों पर कहर बनकर टूटा है, तभी तो वह कदम, चाहे कुछ ही दिनों के लिये टालते ही शेयर बाजारों की सांसें लौट आईं। वैसे भी 'अमेरिकी फर्स्ट' के नारे पर जीतकर दूसरी बार जीतने वाले ट्रम्प के इस कदम से 3 माह दुनिया का व्यवसाय ऊहापोह में रहेगा। अलबत्ता, ट्रम्प के खासमखास मस्क को इस उछाल से बड़ा लाभ मिलने की सूचना है। एक वीडियो सामने आया है जिसमें ट्रम्प बता रहे हैं कि उनके इस कदम से उनके कुछ मित्रों को कितना लाभ मिला है। वैसे जिस चीन को सबक सिखाने के नाम पर ट्रम्प ने इतना बड़ा प्रपंच रचा और सारी दुनिया को लपेटे में लिया है, वह चीन बिलकुल निश्चिंत है। अपने कुल उत्पादन का लगभग 70 फीसदी वह निर्यात करता है- वह भी अपनी जनता की ज़रूरतें पूरी करने के बाद। चीन अपने सस्ते उत्पादनों, शानदार लॉजिस्टिक्स और तेज़ डिलीवरी के चलते किसी भी देश का मुकाबला करता है। बहुत से एशियाई, अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देश महंगी अमेरिकी वस्तुओं की बजाय सस्ती चीनी सामग्रियों को पसंद कर सकते हैं। ट्रम्प का टैरिफ़ वॉर बहुत से देशों के लिये विनाशकारी हो सकता है लेकिन चीन का इससे बेपरवाह होना लाजिमी है। बहुत से विशेषज्ञों का तो यह भी मानना है कि यह अमेरिकी दांव चीन के लिये वरदान साबित हो सकता है। विशेषकर, मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, छोटे-कल पुर्जों से बड़ी मशीनों आदि के लिये उसे नये बाजार मिल सकते हैं।

शख्सियत — राहुल सांकृत्यायन

हिंदी साहित्य के महान लेखक

एक भारतीय लेखक, निबंधकार, नाटककार, इतिहासकार और बौद्ध धर्म के विद्वान थे जिन्होंने हिंदी और भोजपुरी में लिखा। हिंदी यात्रा साहित्य के जनकर के रूप में जाने जाने वाले, सांकृत्यायन ने हिंदी यात्रा वृत्तांत को साहित्यिक रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारत के सबसे व्यापक रूप से यात्रा करने वाले विद्वानों में से एक थे , जिन्होंने रूस , तिब्बत , चीन और मध्य एशिया जैसे क्षेत्रों की खोज करते हुए अपने घर से दूर पैंतालीस साल बिताए ।

राहुल सांकृत्यायन का जन्म केदारनाथ पांडे के रूप में 9 अप्रैल, 1893 को आजमगढ़ जिले के पंदहा गाँव में एक भूमिहार ब्राह्मण परिवार में सबसे बड़े बच्चे के रूप में हुआ था। उनका पैतृक गाँव पूर्वी उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के कनैला चक्रपानपुर था। पिछली सात पीढ़ियों से उनका परिवार ज़मींदार था जो किसानों के रूप में अपना जीवन यापन करते थे। 1899 में, उन्होंने कुछ समय के लिए बड़ौदा में एक हिंदू स्कूल में भी पढ़ाई की, जहाँ उन्होंने देवनागरी लिपि सीखी। उन्होंने वेदान्त का अध्ययन करने के इरादे से हरिद्वार,ऋषिकेश ,बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्रा की। उनके दादा को उनकी यात्राओं के बारे में पता चला और उन्होंने उन्हें वापस लाने की कोशिश की लेकिन उन्हें बहुत कम सफलता मिली। इसके बाद, सांकृत्यायन वाराणसी गए और 1911 में वहां अपनी पढ़ाई शुरू की। भारत भर में यात्रा करने में बिताए अपने समय के कारण, सांकृत्यायन के पास कोई औपचारिक शिक्षा या विश्वविद्यालय की डिग्री नहीं थी और वे विभिन्न विषयों पर काफी हद तक स्व-शिक्षित थे। वह वैष्णव परंपरा से संबंधित एक आश्रम के महंत के उत्तराधिकारी बनने वाले थे कुछ महीनों के बाद वे पुनः वहां से चले गये और अयोध्या आ पहुंचे । हालाँकि वीज़ा मुद्दों के कारण वे स्थायी रूप से रूस में नहीं रह सके और उनका परिवार भारत में नहीं बस सका, लेकिन वहाँ के अनुभवों ने साम्यवाद और भारतीय राष्ट्रवाद के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मज़बूत किया। जीवन के अंतिम वर्षों में उन्होंने कमला सांकृत्यायन से विवाह किया , जो हिंदी और नेपाली में भारतीय लेखिका, संपादक और विद्वान थीं। उनकी एक बेटी जया सांकृत्यायन परहौक और एक बेटा जेटा था। जेटा उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं। फिर भी, उन्होंने अपना साहित्यिक कार्य जारी रखा, जिसमें कई रचनाएँ लिखीं, जिनमें पुरस्कार विजेता मध्य एशिया का इतिहास भी शामिल है। 1959 में, वे दर्शनशास्त्र विभाग का नेतृत्व करने के लिए कुछ समय के लिए श्रीलंका चले गए, लेकिन खराब स्वास्थ्य के कारण वापस लौट आए। दिसंबर 1961 में, उन्हें स्मृति हानि हुई और बिना सुधार के इलाज के लिए रूस ले जाया गया। 14 अप्रैल, 1963 को दार्जिलिंग में उनकी मृत्यु हो गई ।

प्रमुख उपन्यास

बैसवीन सादी – 1923
जीने के लिए – 1940
सिम्हा सेनापति – 1944
जय यौधेय – 1944
भागो नहीं, दुनिया को बदलो - 1944
मधुर स्वप्ना – 1949
राजस्थानी रनिवास – 1953
विस्मृत यात्री – 1954
दिवोदास – 1960

समता मूलक समाज की स्थापना के प्रणेता डॉ. अम्बेडकर

सुरेश पचौरी

मध्यप्रदेश की माटी के गौरव सपूत, भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर, समता मूलक समाज की स्थापना के प्रणेता और भारत के संविधान के निर्माता हैं। डॉ. अम्बेडकर का जीवन संघर्षों की ऐसी महागाथा है जिसने इंसानियत को सही अर्थो में समझा और मानवीय गरिमा को स्थापित कर इतिहास को गौरवान्वित किया। डॉ. अम्बेडकर देश के कमजोर वर्गों के आत्मसम्मान और सामाजिक, आर्थिक समानता के सबसे बड़े पैरोकार थे। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। महार जाति में जन्में डॉ. अम्बेडकर ने गैर बराबरी, छुआछूत, अन्याय, शोषण, दमन, घृणा, तिरस्कार और वेदना की पराकाष्ठा की भट्टी में तपते हुए सतह से शिखर की उंचाई को स्पर्श किया है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। 1912 में उन्होंने स्नातक परीक्षा पास की। उन्होंने अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए. किया, लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स से डी.एससी. एवं कोलंबिया यूनिवर्सिटी से डॉक्टर ऑफ लॉ की डिग्री हासिल की। वे एक चिंतनशील व्यक्ति तथा कर्मयोगी थे। उनका जीवन, उन्हें मिली सफलताएं और उपलब्धियां अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा का जाति से कोई संबंध नहीं होता। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रतिभा को खुला और उन्मुक्त वातावरण मिलना चाहिए। असाधारण संगठन क्षमता और अन्याय के विरूद्ध लोहा लेने की उनकी संकल्पबद्धता उन्हें सहज ही एक महान इतिहास पुरूष के रूप में प्रतिष्ठापित कर देती है। दलित समाज में मानवाधिकारों के प्रति चेतना जगाने में उनका विशेष योगदान है। दलित एवं कमजोर वर्गों के लिए उनका स्पष्ट संदेश था-"शिक्षित बनो, संगठित रहों और संघर्ष करो।"आजाद भारत के पहले मंत्रिमंडल में डॉ. अम्बेडकर देश के कानून मंत्री बने। वे संविधान सभा के सदस्य भी थे तथा उन्हें संविधान सभा की ड्रॉफ्ट कमेटी का सभापति बनाया गया था। आजादी के तत्काल बाद 1947 में जब साम्प्रदायिक विद्वेष की आग फैल रही थी ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती थी, एक ऐसा संविधान बनाने की, जो सर्वस्वीकार्य हो। डॉ. अम्बेडकर ने इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया। डॉ. अम्बेडकर राजनैतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में बदलना चाहते थे। वे आर्थिक शोषण के खिलाफ संरक्षण को संविधान के मूलभूत अधिकारों के रूप में सम्मिलित करने के पक्षधर थे। डॉ. अम्बेडकर ने विश्व संविधानों के श्रेष्ठ मूल्यों, उन्नत प्रावधानों को भारतीय संस्कृति के अनुरूप ढालकर भारतीय संविधान को वैश्विक संघर्षों एवं अनुभवों से समृद्ध किया। स्वतंत्र भारत के संविधान के शिल्पकार के रूप में डॉ. अम्बेडकर के योगदान को पूरा देश बड़े गौरव के साथ स्मरण करता है। डॉ. अम्बेडकर ने संविधान की रचना करते समय इस बात को बारीकी से ध्यान में रखा कि आजाद भारत जातियों, संप्रदायों में विभाजित हुये बिना एकजुट मानव समाज के रूप में अपनी विकास यात्रा तय करे। संविधान में डॉ. अम्बेडकर ने ऐसे अनेक प्रावधान रखे, जिसके चलते न केवल दलित वर्ग को अपितु संपूर्ण मानव समाज को समानता से जीने का अधिकार मिला। उन्हीं के प्रयासों से छुआछूत को दंडनीय अपराध घोषित किया गया। संविधान में सामाजिक न्याय और कमजोर वर्ग की बेहतरी के अनेक प्रावधान किये गये।डॉ. अम्बेडकर का जीवन एवं दर्शन सामाजिक एवं आर्थिक नवनिर्माण को सही दिशा देने का मूल मंत्र है। उन्होंने वित्त आयोग, आर.बी.आई. निर्वाचन आयोग, पानी, बिजली, ग्रिड सिस्टम, संपत्ति में महिलाओं का अधिकार आदि अनेक विषयों पर अपने विचार आलेख के रूप में प्रस्तुत किये। राष्ट्रनिर्माण, विदेशनीति निर्धारण, श्रमिक कल्याण, कृषि तथा औद्योगिक विकास में उनका तत्कालीन चिंतन आज भी देश की जनता के लिए धरोहर सरीखा है। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ. अम्बेडकर एक चिंतनशील पत्रकार थे। वे पत्रकारिता को सामाजिक न्याय का माध्यम मानते थे। पत्रकारिता की आवश्यकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा था "जैसे पंख के बिना पक्षी नहीं होते वैसे समाचार पत्र के बिना आंदोलन नहीं होते।" डॉ. अम्बेडकर ने खुद भी 1920 में "मूकनायक" अखबार का प्रकाशन शुरू किया जिसके माध्यम से मानवीय संवेदनाओं को राष्ट्रीय स्वर दिया। इसका असर यह हुआ कि अंग्रेजों की दलित समाज को हिन्दू समाज से अलग करने की चाल विफल हुई। डॉ. अम्बेडकर द्वारा उठाये गये सामाजिक आर्थिक प्रश्नों से आजादी के आंदोलन को गति एवं शक्ति प्राप्त हुई। सामाजिक समरसता और समाज में बराबरी का भाव डॉ. अम्बेडकर के चिंतन के केन्द्र बिन्दु रहे लेकिन यह सिर्फ दलित या कमजोर वर्ग तक सीमित नहीं था, उन्होंने महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, हिन्दू समाज में बहुविवाह प्रथा पर रोक लगाने के हिन्दू कोड बिल को लागू करवाने के लिये अथक प्रयास किये। यह उनके सिद्धांतों के प्रति दृढ़ता का परिचायक था कि हिन्दू कोड बिल के पारित न होने पर उन्होंने कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। समानता पर आधारित शोषणमुक्त समाज के निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुये उन्होंने 14 अक्टूबर 1956 को अपने लाखों अनुयायियों सहित बौद्ध धर्म अपनाया। नागपुर की पवित्र दीक्षाभूमि पर उन्होंने प्रतिज्ञा की कि " मैं इस सिद्धांत को मानूंगा कि सभी मनुष्य एक हैं। मैं बौद्धधर्म के तीन तत्वों 1. ज्ञान 2. करूणा 3. शील के अनुरूप स्वयं को ढालूंगा।"

जीवन मंत्र

मुश्किल समय भी गुज़र जाता है

जब अपने भी पराये जैसे लगते हैं, और जब मन करता है कि बस सब कुछ छोड़ दें तब इंसान खुद से एक ही सवाल करता है क्या ये सब कभी ठीक होगा? लेकिन सच यही है मुश्किल समय हमें निखारता है, तोड़ता नहीं। वह हमें हमारी असली ताकत दिखाता है, जो सामान्य दिनों में कभी नज़र नहीं आती।

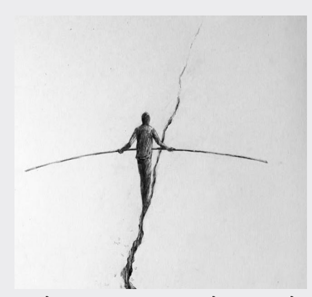

जब हम किसी कठिन दौर से गुज़रते हैं चाहे वह नौकरी की चिंता हो, रिश्तों में तनाव, सेहत की समस्या या आत्मविश्वास की कमी तो ऐसा लगता है जैसे यह दुःख कभी खत्म नहीं होगा। हर दिन भारी लगने लगता है, और हर रात बेचैनी भरी। लेकिन सच यह है कि समय कभी एक जैसा नहीं रहता। जैसे अंधेरी रात के बाद सूरज ज़रूर निकलता है, वैसे ही दुखों के बाद भी सुख आता है। कई बार हमारी परेशानियाँ हमें बहुत कुछ सिखा जाती हैं धैर्य, सहनशीलता, और खुद पर विश्वास करना। मुश्किल समय में हम अंदर से मजबूत बनते हैं, अपनी सीमाओं को पहचानते हैं, और खुद को फिर से खड़ा करना सीखते हैं। ये दौर हमें वो इंसान बनाते हैं जो आगे चलकर दूसरों को भी सहारा दे सकता है। इसलिए जब सब कुछ टूटता-सा लगे, तब भी खुद को ये याद दिलाना ज़रूरी होता है कि ये वक्त भी गुज़र जाएगा। अगर आप आज संघर्ष कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप आगे कुछ बड़ा सीखने या पाने वाले हैं। बस एक बात याद रखो रुकना नहीं है। धीरे चलो, थको, रो लो पर चलते रहो। क्योंकि कल जब आप पीछे मुड़कर देखोगे, तो यही मुश्किल समय आपको गर्व से मुस्कुराने की वजह देगा। एक और खास बात यह है कि ये बुरा समय अक्सर स्थायी नहीं होता। जब आप उसमें होते हैं, तो हर पल भारी लगता है, पर जैसे-जैसे समय बीतता है, आप महसूस करते हैं कि आप तो उससे बाहर आ चुके हैं धीरे-धीरे, पर शांति से। यह एक बहुत बड़ी सीख है कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, पर आप हर बार उससे बाहर निकल सकते हैं। और अगली बार जब ज़िंदगी आपको गिराने की कोशिश करेगी, आप पहले से ज्यादा हिम्मत से खड़े होंगे क्योंकि आप जानते हैं कि ये वक्त भी गुज़र जाएगा। यह एक बहुत बड़ी सीख है कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, पर आप हर बार उससे बाहर निकल सकते हैं। आप पहले से ज्यादा हिम्मत से खड़े होंगे क्योंकि आप जानते हैं कि ये वक्त भी गुज़र जाएगा।

मत डर तू तूफ़ानों से,
हर तूफ़ान के बाद ही तो
सवेरा आता है।
हर घड़ी जो तुझे तोड़ने आई
थी,वही तुझे गढ़कर जाएगी।

जीवन ऊर्जा

के. सिवन (कैलासवादिवू सिवन) : जन्म 14 अप्रैल 1957 — जन्म

विफलता अंत नहीं है, यह एक नई यात्रा की शुरुआत है

के. सिवन (कैलासवादिवू सिवन) का जन्म 14 अप्रैल 1957 को तमिलनाडु के कन्याकुमारी ज़िले में हुआ था। वे एक प्रख्यात भारतीय एयरोस्पेस वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। एक साधारण किसान परिवार से आने वाले सिवन ने कठिन परिश्रम और प्रतिभा के बल पर भारत के अंतरिक्ष विज्ञान में ऊँचा मुकाम हासिल किया। उन्होंने चंद्रयान-2 मिशन का नेतृत्व किया और भारत के कई प्रमुख अंतरिक्ष अभियानों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अक्सर हम जब किसी कार्य में असफल हो जाते हैं, तो हताश हो जाते हैं और सोचते हैं कि अब सब कुछ खत्म हो गया। जब हम इन अनुभवों को समझकर नए जोश और बेहतर योजना के साथ आगे बढ़ते हैं, तो अगला प्रयास पहले से कहीं ज्यादा सशक्त और सफल होता है। यह कथन हमें यह भी सिखाता है कि असफलता से डरना नहीं चाहिए, बल्कि उसे गले लगाकर, उससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। जब हम असफल होते हैं, तो हमारे भीतर साहस, दृढ़ता और जिज्ञासा पैदा होती है कि अब हमें खुद को साबित करना है। यही भावना हमें एक नई शुरुआत की ओर ले जाती है, एक ऐसी यात्रा की ओर जहाँ हम पहले से ज़्यादा मजबूत, आत्मविश्वासी और अनुभवी होते हैं। इसलिए असफलता को अंत नहीं, बल्कि नए अवसर की शुरुआत मानना चाहिए क्योंकि असली हार तो तब होती है, जब हम प्रयास करना छोड़ देते हैं। चंद्रयान-2 मिशन का लैंडर जब चंद्रमा की सतह पर उतरते समय संपर्क खो बैठा, तो वह एक बड़ी तकनीकी और भावनात्मक असफलता थी। लेकिन उस विफलता को उन्होंने अंत नहीं मानाजो लोग असफलता को एक पड़ाव की तरह स्वीकार करते हैं, वही अंततः सफलता के असली हकदार बनते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि समाज और देश की प्रगति के लिए भी। अगर हर वैज्ञानिक, खोजकर्ता, शिक्षक, या युवा असफलता के डर से रुक जाए, तो प्रगति रुक जाएगी। इसलिए यह विचार एक प्रेरणा की तरह कार्य करता है, जो कहता है कि गिरना गलत नहीं है, लेकिन गिरकर उठना ही सच्ची ताकत है। हमें हर असफल प्रयास को एक अनुभव के रूप में देखना चाहिए, एक नए अध्याय की शुरुआत के रूप में – क्योंकि सफलता की सबसे मजबूत नींव अक्सर असफलताओं पर ही टिकी होती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

धन से नहीं, धर्म और गुणों से बनता है मनुष्य

जब मनुष्य इस संसार में कदम रखता है, तो वह कुछ भी लेकर नहीं आता। इसी प्रकार जब वह इस संसार को छोड़कर अनंत की यात्रा पर निकलता है, तो उस समय भी उसके पास कुछ नहीं होता, उसके हाथ खाली होते हैं। लेकिन जन्म और मृत्यु के मध्य जो यात्रा चलती है, उस दौरान उसे अनेकों प्रकार के कर्म करने पड़ते हैं। कई गुणों का धारक बनने के साथ ही कुछ अवगुण भी उस पर हावी हो जाते हैं। सकारात्मक प्रवृत्तियां मार्गदर्शन करती हैं, तो अवगुण मार्ग से विचलित करते हैं। मनुष्य जीवन में संपत्ति के प्रति अत्यंत आसक्त रहता है। उसकी आसक्ति अपने पूर्वजों की संपत्ति एवं स्वयं अर्जित संपत्ति में निहित होती है। वह यह नहीं समझता कि जिसे वह अपना समझ कर अभिमान में डूबा हुआ है, वह उसका है ही नहीं। उसे असली संपत्ति का भान हो ही नहीं पाता। भौतिक तत्व संपत्ति नहीं हैं, बल्कि एक मरीचिका हैं। हम इनके फेर में ही उलझे रहते हैं। हमें यह समझना होगा कि हमारी असली संपत्ति हमारे कर्म हैं, जो प्रत्येक क्षण हमारे साथ रहेंगे, जो इस लोक और परलोक दोनों ही जगह हमारे साथ कदमताल करते नज़र आएंगे। हमें अपने कर्मों को सद्कर्म बनाना पड़ेगा, यही हमारी संपत्ति है। हमें मानवता, दया, परोपकार, दान और सहिष्णुता जैसे दिव्य दैवीय गुणों को आत्मसात करना पड़ेगा। हमारी संस्कृति, हमारी विरासत, हमारा अध्यात्म और हमारा धर्म भी हमारी संपत्ति हैं। इन संपत्तियों का संरक्षण भी हमें करना ही पड़ेगा। यही संपत्तियां आने वाली पीढ़ी को सौंपने का हमें प्रयत्न करना चाहिए। अकूत धन-संपदा को आगे आने वाली पीढ़ी को सौंपने के विचार से पहले, उन्हें संस्कार एवं विनयशीलता की संपत्ति सौंपने का प्रयत्न करना पड़ेगा। यही संपत्ति आने वाली पीढ़ी के भीतर चरित्र निर्माण कर सकेगी। इसी आधार पर हम समाज एवं राष्ट्र निर्माण के पथ पर आगे बढ़ सकेंगे।

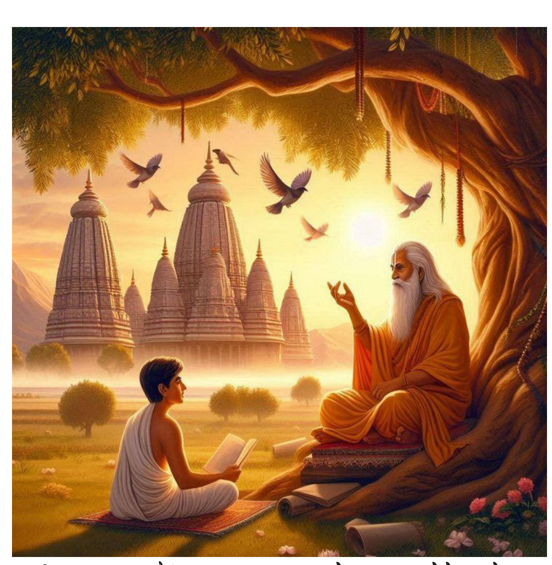

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

अपनी सोच से इंसान भिखारी या सम्राट होता है

एक जगह एक भिखारी सड़क के किनारे बैठकर बीस-पच्चीस वर्षों तक भीख मांगता रहा। फिर एक दिन उसे मौत आ गई और वो मर गया। जीवन भर उसकी यही कामना रही कि वो भी एक दिन सम्राट बन जाएं। लेकिन जिंदगीभर वो हमेशा दूसरों के आगे हाथ फैलाकर, एक-एक पैसा मांगता रहा। मांगने की आदत जितनी बढ़ती है, आदमी उतना ही बड़ा भिखारी हो जाता है। लेकिन इस भिखारी के साथ मांगने की वजह से इतना जरूर हुआ कि पच्चीस वर्ष पहले वह छोटा भिखारी था, पच्चीस वर्ष बाद पूरे नगर में प्रसिद्ध भिखारी हो गया था। गांव के लोगों ने उसका अंतिम संस्कार करवा दिया। गांव वालों ने वह जगह साफ कराने की सोची, जहां वह बैठा रहता था। गंदे कपड़े, टीन-टप्पर, बर्तन-भांडे सब सामान फिंकवा दिए।
खोद-खादकर वहां की जमीन समतल कराने लगे। लेकिन जब मिट्टी खोदी तो सब हैरान हो गए। भीड़ जुटने लगी। वह भिखारी जिस जगह बैठा था, वहां बड़े खजाने गड़े हुए थे। वह सम्राट हो सकता था, लेकिन वह उन लोगों की तरफ हाथ पसारे रहा, जो खुद ही भिखारी थे। गांव के लोग आपस में बातचीत करते कह रहे थे, बड़ा अभागा था! तभी वहां से एक संत गुजरे। उन्होंने हंसकर कहा कि उस अभागे की फिक्र छोड़ो। दौड़ो अपने घर, अपनी जमीन खोदो। कहीं वहां कोई खजाना तो नहीं? संत बोले- खजाना वहीं होता है जहां आप होते हैं। पर अपनी जमीन देखे बिना हम दूसरों से ही मांगते रह जाते हैं। प्रेम के बड़े खजाने अपने भीतर होते हैं, लेकिन हम दूसरों से मांगते रह जाते हैं कि हमें प्रेम दो! पत्नी पति से मांग रही है, मित्र मित्र से मांग रहा है कि हमें प्रेम दो! जिनके पास खुद ही नहीं है, हम उनसे मांग रहे हैं! भिखारी भिखारियों से मांग रहे हैं! लेकिन अपनी जमीन, जिस पर हम खड़े हैं, उसे खोदने की फिक्र कोई नहीं करता।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार)।

काशी विश्वनाथ मंदिर में रोजाना की जाती है भोग आरती, जानिए इसका धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में सोमवार का दिन देवों के देव महादेव की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाती है। साथ ही महादेव की कृपा पाने के लिए सोमवार का व्रत रखा जाता है। सोमवार के व्रत की महिमा शिव पुराण में वर्णित है। सोमवार व्रत के पुण्य प्रभाव से व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी होती है और जातक के सुख-सौभाग्य में भी वृद्धि होती है। सोमवार व्रत से मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। वहीं कुंडली में चंद्रमा मजबूत करने के लिए भी जातक को महादेव की पूजा करने की सलाह दी जाती है। भगवान शिव की शरण में रहने से व्यक्ति को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। वहीं जो भी जातक सच्चे मन और श्रद्धा भाव से भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं, उनको हर कार्य में सफलता प्राप्त होती है। वैसे तो हमारे देश में भगवान शिव के तमाम मंदिर हैं। जिनकी अपनी विशेषता है। लेकिन क्या आपको पता है कि काशी विश्वनाथ मंदिर में भोग आरती का बड़ा महत्व होता है। काशी विश्वनाथ मंदिर में की जाने वाली भोग आरती में तमाम श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि काशी विश्वनाथ मंदिर में भोग आरती कब की जाती है।

वाराणशी का काशी विश्वनाथ मंदिर पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काशी नगरी को महादेव की नगरी कहा जाता है। इस मंदिर का इतिहास सदियों पुराना है। वहीं दैवीय काल में भगवान शिव का निवास स्थान काशी में रहा था। गंगा नदी के तट पर बसा यह शहर अपनी आध्यात्मिकता और खूबसूरती के लिए जाना जाता है। वहीं बड़ी संख्या में भक्त देश-विदेश से दर्शन के लिए काशी पहुंचते हैं।

धार्मिक मान्यता है कि काशी स्थित विश्वनाथ मंदिर में महादेव के दर्शन मात्र से व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी होती है। इससे जातक के सभी प्रकार के संकट, दुख, भय, रोग और दोष आदि दूर हो जाते हैं। रोजाना काशी विश्वनाथ मंदिर में सप्तर्षि और मंगला आरती की जाती है। इसके अलावा मंदिर में भोग आरती का भी आयोजन किया जाता है।

बता दें कि काशी विश्वनाथ मंदिर में रोजाना भोग आरती रात में 09:00 बजे से लेकर 10:15 मिनट तक की जाती है। मंदिर में चार बार आरती की जाती है। वहीं अंतिम आरती भोग आरती होती है। भोग आरती में महादेव को भोग यानी प्रसाद भेंट किया जाता है। वहीं मां पार्वती को अन्नपूर्णा भी कहा जाता है। मां अन्नपूर्णा और भगवान शिव की पूजा करने से जातक को जीवन में कभी अन्न-धन की कमी नहीं रहती है। व्यक्ति को सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है। भोग आरती में शामिल होने के लिए भक्तजनों रात 08:30 मिनट तक प्रवेश की अनुमति होती है। वहीं 12 साल तक के बच्चों की एंट्री फ्री है। देवों के देव महादेव अपने भक्तों के सारे दुख हर लेते हैं और उनकी महिमा निराली है। वह अपने भक्तों पर असीम कृपा बरसाते हैं और उनकी कृपा से सभी मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। महादेव की पूजा करने से जातक के जीवन में सुखों का आगमन होता है और बाबा विश्वनाथ के दर्शन मात्र से सभी दुख दूर हो जाते हैं। इसलिए बड़ी संख्या में भक्त भोग आरती में शामिल होते हैं।

मेकअप किट में शामिल करें ये 5 बेस्ट लिपस्टिक शेड, इन शेड्स पर लड़कियों का दिल आ जाएगा

जब लुक्स की बात आती है, तो मेकअप लुक में जान डाल देता है। मेकअप की जान लिपस्टिक बिल्कुल है। हर एक लड़की के मेकअप किट में ये लिपस्टिक शेड्स जरुर होने चाहिए। कुछ लिपस्टिक शेड्स कभी भी स्टाइल से बाहर नहीं जाते। ये हर स्किन टोन पर अच्छे लगते हैं। आप भी अपने मेकअप किट में हमेशा ट्रेंड में रहने वाली लिपस्टिक को एड कर सकते हैं। बेहतरीन लिपस्टिक शेड्स, हर ब्यूटी लवर के पास होने चाहिए। चाहे वो परफेक्ट न्यूड हो, पावर रेड हो या आकर्षक मौवे, ये शेड्स समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। इसलिए लड़कियां अपने मेकअप किट में इन शेड्स को जरुर शामिल करें।

ब्राउन लिपस्टिक शेड

आजकल सबसे ज्यादा ट्रेंड में ब्राउन लिपस्टिक कलर है, जो हर एक लड़की के चेहरे पर सूट करती है। इसमें आपको लाइट से लेकर डार्क कई तरह के शेड्स मिल जाएंगे। आप अपने चॉइस के हिसाब से इन शेड्स को खरीद सकती हैं। ब्राउन लिपस्टिक ऑफिस से लेकर कैजुअली और पार्टी में भी लगा सकते हैं।

वाइन लिपस्टिक शेड

ट्रेंडी लिपस्टिक में वाइन शेड काफी ट्रेंड में है। अगर आपकी स्किन टोन फेयर है, तो आप वाइन कलर की लिपस्टिक जरुर ट्राई करें। यह लिपस्टिक नाइट और डे दोनों फंक्शन में काफी सुंदर लगती है। अगर आपको यह शेड डार्क लग रहा है, तो आप इसमें लाइट शेड भी ले सकते हैं।

न्यूड लिपस्टिक

आजकल न्यूड लिपस्टिक काफी प्रचलन में है। आप न्यूड लिपस्टिक को ऑफिस से लेकर कैजुअल लुक के लिए ट्राई कर सकते हैं। वैसे आजकल ब्राइड भी न्यूड मेकअप के साथ लिपस्टिक शेड भी न्यूड लगा रही हैं। आपको इसमें कई सारे शेड्स मिल जाएंगे। आप लिपस्टिक को ऑनलाइन या ऑफलाइन भी खरीद सकती है।

रेड लिपस्टिक शेड

अगर आप शादीशुदा है तो आपके लिए रेड लिपस्टिक परफेक्ट शेड है। जरुरी नहीं है कि मैरिड ही रेड लिपस्टिक ट्राई कर सकती है। आजकल तो अनमैरिड लड़कियां भी रेड लिपस्टिक को काफी पसंद कर रही है। गाजरी या कोरल रेड लिपस्टिक शेड्स काफी सुंदर लगते हैं।

पिंक लिपस्टिक शेड

पिंक शेड्स तो सभी काफी पसंद आता हैं क्योंकि यह एवरग्रीन लिपस्टिक शेड होता है। एथनिक लुक साथ पिंक लिपस्टिक बेहद प्यारी लगती है। हर लड़की को अपने मेकअप किट में पिंक लिपस्टिक शेड जरुर एड करें। पिंक शेड्स में आपको कई ब्यूटीफुल लिपस्टिक मिल जाएगी।

भगवान शंकर की कौन-सी बात सुनकर नंदी बाबा के आंखों में अश्रु आ गये थे

भगवान शंकर के पावन श्रृंगार की गाथा किसी विरले भाग्यशाली को ही प्राप्त होती है। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं, कि भोलेनाथ का श्रृंगार अब तक पूर्ण हुआ माना जा रहा था। बस एक सुंदर घोड़ी की विवस्था की जानी बाकी थी। क्योंकि संसार में सभी दूल्हे जब अपनी बारात लेकर निकलते हैं, तो घोड़ी पर ही सवार होकर निकलते हैं। किंतु दूर-दूर तक भी किसी ने घोड़ी की विवस्था नहीं की थी। यह देख एक शिवगण ने भोलेनाथ से प्रार्थना की, कि क्या वे पैदल ही हिमाचल की ओर प्रस्थान करने की इच्छा रखते हैं? क्योंकि घोड़ी तो हम ले ही नहीं पाये। आप बताईये क्या आदेश है? तब भगवान शंकर बोले-अरे वाह! यह क्या बात कर रहे हो प्रिय गण? जब हम विवाह करने ही बैठे हैं, तो विवाह तो विवाह की ही भाँति करेंगे न? हम भला पैदल बहु बिहाने क्यों चलेंगे? यह सुन शिवगण ने घोड़ी उपलब्ध न होने की असमर्थता जताई। तब भगवान शंकर मुस्करा कर बोले-हे प्रिय गण! हमारी सवारी तो कब से हमारे साथ है। वह भला आपकी दृष्टि से कहाँ औझल हो गई थी? वह देखो हमारा परम प्रिय नंदी बैल। हमने आज तक कोई अन्य सवारी की है भला? जिस नंदी ने आज तक हमें अपनी पीठ पर सवार किया, क्या आज विवाह के शुभ अवसर पर हम उन्हें त्याग देंगे? हमारी तो प्रतिष्ठा ही हमारे नंदी से है।

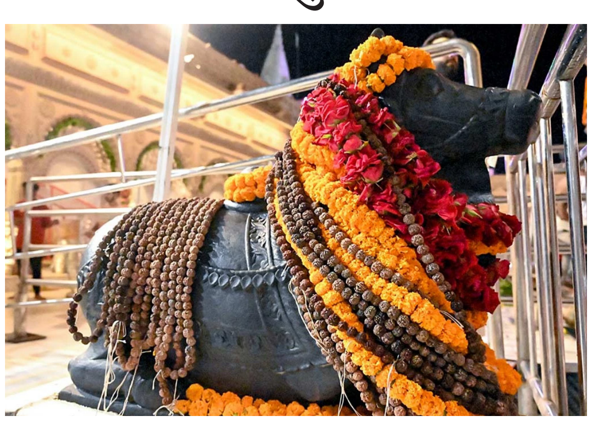

यह सुन कर नंदी की आँखों में अश्रु आ गये। उन्हें लगा, कि भगवान शंकर से बड़ा उपकारकर्ता इस संपूर्ण सृष्टि में नहीं है। भगवान विष्णु का वाहन गरुड़ जी हैं। उनकी गति का संसार में कोई सानी नहीं है। अगर वे भगवान विष्णु के वाहन बने, तो उनमें गुण हैं, जिस कारण वे इस सम्मान के अधिकारी भी हैं। किंतु मुझ में क्या गुण है? मैं न तो तीव्र गति से दौड़ सकता हुँ, और न ही गरुड़ जी की भाँति उड़ सकता हुँ। मेरी देह भी भारी है। एक बार जहाँ बैठ गया, फिर वहाँ से उठने का मेरा मन ही नहीं होता। मैं भले ही अधिकतर शाँत रहता हुँ, किंतु जब भी मैं क्रोधित होता हुँ, तो प्रचंड विध्वँस करता हुँ। किंतु तब भी भगवान शंकर मुझ पर अपार स्नेह पता नहीं क्यों रखते हैं?

भगवान शंकर अपने स्नेही शिष्य के मनोभावों को पढ़कर उन्हें अपने समीप बुलाते हैं। वे नंदी के सीस पर हाथ फेरते हुए कहते हैं-हे प्रिय नंदी! तुम नहीं जानते कि तुम कितने महान हो। तुम्हारा मेरे प्रति समर्पण व प्रेम ही वह आधार है, कि मैं भी तुम्हारे प्रति पूर्ण समर्पित हूं। तुम्हारा त्याग मेरे लिए प्राण त्यागने जैसा है। तुम्हारे चारों चरण धर्म के चार चरण हैं। जो कहा जाता है, कि धरती बैल के सींगों पर टिकी है। तो इसका यही अर्थ तो है, कि आपके चरण सत्य, तप, दया और पवित्रता ही वे आधार हैं, जिनके सिर पर यह धरा का अस्तित्व बचा हुआ है। मैं तुम्हें अपनी सवारी बनाकर संसार को बताना चाहता हुँ, कि जब भी आप अपने जीवन ने सबसे महान संबंध का आरम्भ करने जायें, तो बैल पर सवार होकर, अर्थात धर्म के चारों गुणों पर सवार होकर ही जायें। फिर निश्चित ही आपको आदि शक्ति का संग होगा। आप साक्षात धर्म हो नंदी देवता। हालाँकि संपूर्ण जगत के लोग मेरे मंदिर में मुझे माथा टेकने आयेंगे। किंतु मैं वरदान देता हुँ, कि मेरे द्वार पर तुम सदा मेरी ओर मुख करके बैठे रहोगे। जो भी कोई तुम्हारे कानों में अपनी बात कहेगा, वह सीधे मैं सुनुँगा। तात्विक दृष्टि से कहुँ, तो जो कोई भी धर्म के माध्यम से मुझ तक बात पहुँचाना चाहेगा, मैं वह बात तत्काल प्रभाव से सुनुँगा। यही मेरा प्रण है। यह सुनकर नंदी बाबा के नेत्रें में अश्रु आ गये। भगवान शंकर ने भी उन्हें अपनी बाहों में भर लिया, और भोलेनाथ नंदी पर सवार होकर ही बारात पर निकले।

मोटी बाजुओं को छिपाने के लिए ट्राई करें डिफरेंट डिजाइंस वाली स्लीव्स के डिजाइन, दिखेंगी स्लिम और ग्रेसफुल

कट स्लीव्स डिजाइन वाले आउटफिट पहनना लगभग हम सभी लोगों को पसंद होता है। लेकिन कई बार मोटी बाजुओं की वजह से हम इनको पहनने से कतराते हैं। ऐसे में हमें सिंपल डिजाइन वाले आउटफिट्स को स्टाइल करना पड़ता है। लेकिन हर बार एक ही तरह के स्लीव्स वाले आउटफिट पहनकर बोरियत होने लगती हैं। ऐसे में अगर आप भी कुछ डिफरेंट स्टाइल करना चाहती हैं, तो आप डिफरेंट डिजाइंस वाली स्लीव्स के डिजाइन कर सकती हैं। इस तरह के आउटफिट्स पहनकर आपका लुक अच्छा आएगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डिफरेंट डिजाइंस वाली स्लीव्स के डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं।

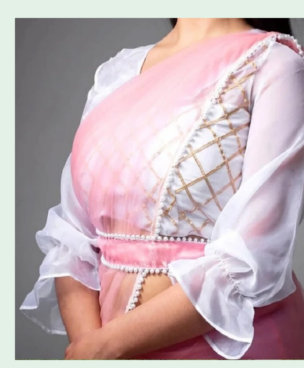

पफ डिजाइन स्लीव्स वाले आउटफिट

अपने लुक को अट्रैक्टिव बनान के लिए आप पफ स्लीव्स डिजाइन वाले आउटफिट को स्टाइल करवा सकती हैं। इस तरह की स्लीव्स में बाजुओं का मोटापा नहीं नजर आता है। वहीं आपके हाथ भी अच्छे लगेंगे। इसको पहनने के बाद आपको स्टॉल या फिर श्रग डालने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

फ्रील डिजाइन वाली स्लीव्स

मोटी बाजू को छिपाने के लिए आप फ्रील डिजाइन वाली स्लीव्स को क्रिएट कर सकती हैं। आप अपने टेलर से इस तरह की डिजाइन वाली स्लीव्स बनवा सकती हैं। इसमें आपकी बाजू मोी नहीं नजर आएगी। आप ब्लाउज, सूट या किसी आउटफिट में इस तरह की स्लीव्स डिजाइन करवा सकती हैं। आप किसी भी फैब्रिक में फ्रील स्लीव्स को डिजाइन करा सकती हैं। इस तरह के आउटफिट में आप बहुत सुंदर नजर आएंगी।

कट आउट डिजाइन वाली स्लीव्स

मोटी बाजू को छिपाने के लिए कट आउट डिजाइन वाली स्लीव्स ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के स्लीव्स वाली ड्रेसेस पहनने के बाद काफी अच्छी लगती हैं। वहीं इसमें आपका लुक भी स्टाइलिश दिखेगा। आपको इस तरह की स्लीव्स के बीच में कट आउट वाला डिजाइन मिल जाएगा। आप चाहें तो इस तरह की डिजाइन क्रिएट भी करा सकती है।

जल्दी करना चाहती हैं कंसीव तो डाइट में शामिल करें ये फल, फर्टिलिटी में होगा सुधार

महिलाओं की फर्टिलिटी पर कई फैक्टर्स का असर होता है। जिनमे से एक खान-पान भी है। अनहेल्दी डाइटिंग, हार्मोन्स, पीरियड्स, रिप्रोडक्टिव हेल्थ और फर्टिलिटी पर असर डाल सकती है। वहीं हेल्दी खानपान फर्टिलिटी को सुधारने में सहायता कर सकता है। क्योंकि जब फर्टिलिटी मजबूत हो, तो कंसीव करने में आसानी हो सकती है। इसके लिए खान-पान में हेल्दी फल, सब्जियों, नट्स और सीड्स को शामिल करना चाहिए।

वहीं अनानास गुणों से भरपूर फल होता है। बहुत सारे लोगों का मानना होता है कि अगर महिलाएं डाइट में अनानास शामिल करती हैं, तो इससे फर्टिलिटी मजबूत हो सकती है। लेकिन इस बात में कितनी सच्चाई है, यह जानना बेहद जरूरी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या अनानास डाइट में शामिल करने से फर्टिलिटी मजबूत हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें, तो इस बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि अनानास खाने से फर्टिलिटी बूस्ट होती है। हालांकि इसमें मौजूद गुण प्रेग्नेंसी में सहायता कर सकता है। क्योंकि अनानान में ब्रोमलिन पाया जाता है, जोकि एक प्रोटयिोलेटकि एजाइम है। इससे टिश्यू डेवलपमेंट में मदद मिलती है।

इसके अलावा ब्रोमलिन में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाया जाता है, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और यह यूट्रस में खून के फ्लो को भी सुधारने में सहायता करता है।

बता दें कि अनानास खाने से खून पतला होता है। अनानास में मौजूद ब्रोमलिन खून को पतला करता है और जब खून पतला होता है, तो यह यूट्रस तक बेहद आराम से पहुंचता है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष

रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

वृष

यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन

क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है।

कर्क

आय में निश्चितता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे।

सिंह

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें।

कन्या

प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे।

तुला

आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दुःखद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

वृश्चिक

पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

धनु

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी।

मकर

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कुंभ

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मीन

आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा।

पंचम स्थान से संतान योग

संसार में कोई भी ऐसा दंपति नहीं होगा, जो संतान सुख नहीं चाहता हो। चाहे वह गरीब हो या अमीर। सभी के लिए संतान सुख होना सुखदायी ही रहता है। संतान चाहे खूबसूरत हो या बदसूरत, लेकिन माता-पिता को बस संतान चाहिए। फिर चाहे वह संतान माता-पिता के लिए सहारा बने या न बने। अकबर बादशाह ने भी काफी मन्नतें मानकर सलीम को माँगा था।

किसी-किसी की संतान होती है और फिर गुजर जाती है। ऐसा क्यों होता है? ये सब ग्रहों की वजह से होता है। यहाँ पर हम इन्हीं सब बातों की जानकारी देंगे, जिससे आप भी जान सकें कि संतान होगी या नहीं।

पंचम स्थान संतान का होता है। वही विद्या का भी माना जाता है। पंचम स्थान कारक गुरु और पंचम स्थान से पंचम स्थान (नवम स्थान) पुत्र सुख का स्थान होता है। पंचम स्थान गुरु का हो तो हानिकारक होता है, यानी पुत्र में बाधा आती है।

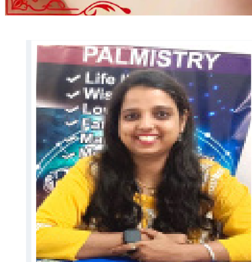

प्रियंका जैन
9769994439

सिंह लग्न में पंचम गुरु वृश्चिक लग्न में मीन का गुरु स्वग्रही हो तो संतान प्राप्ति में बाधा आती है, परन्तु गुरु की पंचम दृष्टि हो या पंचम भाव पर पूर्ण दृष्टि हो तो संतान सुख उत्तम मिलता है।

पंचम स्थान का स्वामी भाग्य स्थान में हो तो प्रथम संतान के बाद पिता का भाग्योदय होता है। यदि ग्यारहवें भाव में सूर्य हो तो उसकी पंचम भाव पर पूर्ण दृष्टि हो तो पुत्र अत्यंत प्रभावशाली होता है। मंगल की यदि चतुर्थ, सप्तम, अष्टम दृष्टि पूर्ण पंचम भाव पर पड़ रही हो तो पुत्र अवश्य होता है।

पुत्र संततिकारक चँद्र, बुध, शुक्र यदि पंचम भाव पर दृष्टि डालें तो पुत्री संतति होती है। यदि पंचम स्थान पर बुध का संबंध हो और उस पर चँद्र या शुक्र की दृष्टि पड़ रही हो तो वह संतान होशियार होती है। पंचम स्थान का स्वामी शुक्र यदि पुरुष की कुंडली में लग्न में या अष्टम में या तृतीय भाव पर हो एवं सभी ग्रहों में बलवान हो तो निश्चित तौर पर लड़की ही होती है। पंचम स्थान पर मकर का शनि कन्या संतति अधिक होता है। कुंभ का शनि भी लड़की देता है। पुत्र की चाह में पुत्रियाँ होती हैं। कुछ संतान नष्ट भी होती है।

पंचम स्थान पर स्वामी जितने ग्रहों के साथ होगा, उतनी संतान होगी। जितने पुरुष ग्रह होंगे, उतने पुत्र और जितने स्त्रीकारक ग्रहों के साथ होंगे, उतनी संतान लड़की होगी। सप्तमांश कुंडली के पंचम भाव पर या उसके साथ या उस भाव में कितने अंक लिखे हैं, उतनी संतान होगी। एक नियम यह भी है कि सप्तमांश कुंडली में चँद्र से पंचम स्थान में जो ग्रह हो एवं उसके साथ जीतने ग्रहों का संबंध हो, उतनी संतान होगी।

खबर संक्षेप

बांदा में दिनदहाड़े ज्वेलर्स से लूट और फायरिंग

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में सोमवार को दिनदहाड़े लूट और फायरिंग की वारदात ने इलाके में दहशत फैला दी। गिरवां थाना क्षेत्र के बछेई गांव में बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने एक ज्वेलर्स से करीब 12 लाख रुपए की ज्वेलरी लूट ली और उसे गोली मारकर फरार हो गए। पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ज्वेलर्स पंकज कुमार अपने पिता मिथलेश कुमार के साथ बाइक से दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। रास्ते में सुनसान मोड़ पर दो बाइकों पर सवार चार बदमाशों ने उनकी बाइक को टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद तमंचे के बल पर उनका बैग लूट लिया, जिसमें 10 से 12 लाख रुपए मूल्य की सोने-चांदी की ज्वेलरी और नकदी थी। लूट के बाद बदमाशों ने पंकज को गोली मार दी, जो उनके पैर को आर-पार कर गई। आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही एसपी अंकुर अग्रवाल भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। एसपी ने बताया कि तीन टीमें बनाकर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई है और इलाके के CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग भयभीत हैं, वहीं व्यापारियों में पुलिस सुरक्षा को लेकर नाराजगी और रोष देखा जा रहा है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि अपराधियों को जल्द सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

प्रयागराज में दलित युवक की हत्या, शव को जलाने की भी कोशिश

प्रयागराज। प्रयागराज के कर्चना थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक 35 साल के दलित शख्स की पुरानी रंजिश के चलते बेरहमी से हत्या कर दी गई और उसके शव को जलाने की भी कोशिश की गई। पुलिस ने इस मामले में छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यमुनानगर के पुलिस उपायुक्त विवेक चंद्र यादव ने बताया कि मृतक की पहचान देवी शंकर के रूप में हुई है। वह एक दलित समुदाय से ताल्लुक रखते थे और एक व्यक्ति के घर काम करने गए थे, जहां उनकी हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह सूचना मिली कि असौता गांव के एक बगीचे में एक अधजला शव मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी वरुण कुमार ने बताया कि मृतक के पिता की शिकायत के अनुसार, दिलीप सिंह नामक व्यक्ति ने देवी शंकर को गेहूं धोने के लिए अपने घर बुलाया था।

प्रदेश में 14 अप्रैल से शुरू होगा अग्नि सुरक्षा सप्ताह

तीन दिन तक चलेंगे जागरुकता अभियान, मॉक ड्रिल और प्रतियोगिताएं

लखनऊ। राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में अग्निशमन सेवाओं को सशक्त बनाने और आमजन को फायर सेफ्टी के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 14 अप्रैल से प्रदेशभर में अग्नि सुरक्षा सप्ताह का आयोजन करने जा रही है। यह अभियान 16 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें रैलियों, प्रतियोगिताओं, मॉक ड्रिल, व्याख्यान और गोष्ठियों जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे।

फायर डिपार्टमेंट को मिले आधुनिक संसाधन

एडीजी फायर पद्मजा चौहान के अनुसार, पिछले एक वर्ष में अग्निशमन सेवाओं को अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 184 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से कई आधुनिक वाहन और उपकरण खरीदे गए हैं, जिनमें 18 मल्टी डिजास्टर रिस्पांस व्हीकल, 135 इमरजेंसी मोटर बाइक, 75 एफक्यूआरवी समेत अन्य संसाधन शामिल हैं। इसके अलावा 24 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से कई उपकरण भी खरीदे गए हैं।

स्मृति दिवस परेड से होगी शुरुआत

अग्नि सुरक्षा सप्ताह की शुरुआत 14 अप्रैल को स्मृति दिवस परेड और पिन फ्लैग से होगी। इसके बाद फायर स्टेशनों से रैलियां निकालकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। ज़िला मुख्यालय और तहसील स्तर के फायर स्टेशनों के माध्यम से स्कूलों में बच्चों के लिए चित्रकला, निबंध लेखन और व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा।

सुरक्षा ऑडिट और ग्रामीण जागरुकता भी शामिल

इस दौरान मल्टीप्लेक्स, मॉल, अस्पताल, औद्योगिक इकाइयों और सरकारी दफ्तरों में फायर सेफ्टी ऑडिट किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रभारी अग्निशमन अधिकारी जागरुकता अभियान चलाएंगे ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी पुख्ता हो सके।

पिछले साल 54,801 आग की घटनाओं पर की कार्रवाई

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में अग्निशमन विभाग ने 54,801 अग्नि दुर्घटनाओं पर कार्रवाई की, जिसमें 4,252 लोगों और 6,540 पशुओं की जान बचाई गई। करीब 8 अरब 65 करोड़ रुपए की संपत्ति को नुकसान से बचाया गया। इसी अवधि में 18,787 मॉक ड्रिल और इवैक्यूएशन ड्रिल के ज़रिए 4.37 लाख लोगों को जागरूक किया गया।

पागल कुत्ते का आतंक: 3 साल के मासूम की मौत, 10 और बच्चे घायल

अलीगढ़ के नगला नथलू गांव में मची दहशत, गांव में वैक्सीनेशन अभियान शुरू

अलीगढ़। नगला नथलू गांव में एक पागल कुत्ते के हमले ने पूरे क्षेत्र को दहशत में डाल दिया है। इस हमले में तीन साल के मासूम अंशु की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य बच्चे घायल हुए हैं। अंशु को करीब डेढ़ महीने पहले कुत्ते ने काटा था, लेकिन समय पर इलाज न मिलने से शुक्रवार को उसकी मौत हो गई।

एक ही कुत्ते ने काटे 10 और बच्चे

स्वास्थ्य विभाग की टीम जब गांव पहुंची, तो पता चला कि उसी पागल कुत्ते ने 2 से 12 साल की उम्र के अन्य 10 बच्चों को भी काटा था। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से किसी को भी अब तक कोई इलाज नहीं मिला था। इस खुलासे के बाद विभाग ने तत्काल गांव में एंटी-रेबीज वैक्सीनेशन अभियान शुरू कर दिया है।

हाइड्रोफोबिया से हुई आशंका

परिजनों के मुताबिक, अंशु की तबीयत कुछ दिन पहले बिगड़नी शुरू हुई थी। उसे पानी से डर लगने लगा था, जो कि रेबीज का प्रमुख लक्षण होता है। हालांकि, डॉक्टरों ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है कि मौत का कारण रेबीज ही था। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नीरज त्यागी ने बताया कि कुत्ते को मार दिया गया, लेकिन उसका परीक्षण नहीं हो सका। अंशु की मौत से पहले भी उसकी कोई जांच नहीं की जा सकी, इसलिए मौत का कारण पूरी तरह रेबीज था या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। फिलहाल सभी बच्चों को वैक्सीन दी जा रही है और गांव के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मीठी बातों में फंसाकर मामा से 43 लाख की ठगी

पेट्रोल पंप दिलाने के नाम पर भांजी ने रची साजिश, छह लोगों पर केस दर्ज

बिजनौर। पेट्रोल पंप लगवाने का झांसा देकर भांजी ने अपने ही मामा को 43 लाख रुपये से ज्यादा का चूना लगा दिया। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मामले में भांजी समेत छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेट्रोल पंप का झांसा देकर ठगा पैसा

नहटौर के मोहल्ला दुर्गा विहार निवासी चंद्रपाल सिंह ने बताया कि उनकी सगी भांजी नीता अपने पति प्रदीप और अन्य रिश्तेदारों के साथ 10 जनवरी 2021 को उनके घर आई थी। उन्होंने चंद्रपाल को बताया कि मोहित गुप्ता के रिश्तेदार पेट्रोलियम मंत्रालय में बड़े अधिकारी हैं और उनके जरिए पेट्रोल पंप का लाइसेंस दिलवाया जा सकता है। इसके बाद सभी ने मिलकर हाईवे किनारे स्थित जमीन पर पंप लगवाने का झांसा देते हुए पांच लाख रुपए एडवांस ले लिए।

फर्जी दस्तावेज और मशीनें भेजकर बनाया भरोसा

ठगी को विश्वसनीय बनाने के लिए आरोपियों ने 31 मार्च 2022 को पेट्रोल टैंक और फ्यूल मेजरिंग मशीन भी भिजवा दी। साथ ही सड़क परिवहन मंत्रालय की फर्जी एनओसी भी चंद्रपाल को दी गई। अलग-अलग समय पर नकद और ऑनलाइन माध्यम से उनसे कुल 43 लाख 50 हजार 35 रुपए ले लिए गए। दो साल बीत जाने के बाद भी पेट्रोल पंप की मंजूरी नहीं मिली, तब जाकर चंद्रपाल को धोखाधड़ी का अहसास हुआ। पैसे वापस मांगने पर आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी। इसके बाद पीड़ित ने कोर्ट का सहारा लिया। कोर्ट के आदेश पर नहटौर थाना पुलिस ने नीता, उसके पति प्रदीप, जेठ कुलदीप, ससुर खेम सिंह, मोहित गुप्ता और उसकी पत्नी सुभद्रा नंद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

अम्बेडकर जयंती पर यूपी में भव्य आयोजन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे कई कार्यक्रमों में शिरकत

लखनऊ। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश में व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह आयोजन 14 अप्रैल को प्रदेशभर में आयोजित होंगे, जिनकी शुरुआत पहले से ही रविवार से हो चुकी है।

विश्वविद्यालय और महासभा में भी होंगे कार्यक्रम

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक संध्या के तहत मुंबई के सचिन वाल्मीकि प्रस्तुति देंगे। वहीं अम्बेडकर महासभा में भी एक कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें लखनऊ की जया कुमारी और शुभम रावत, भदोही की लक्ष्मी रागिनी और रामनिवास पासवान अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

सीएम योगी माल्यार्पण से करेंगे कार्यक्रमों की शुरुआत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 14 अप्रैल की सुबह हजरतगंज स्थित 'संविधान शिल्पी' की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रमों की शुरुआत करेंगे। इसके बाद वे सुबह 9 बजे बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर महासभा परिसर में आयोजित जन्मदिवस समारोह में भाग लेंगे। यह आयोजन अम्बेडकर महासभा के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

अम्बेडकर मेमोरियल में अभिलेख प्रदर्शनी भी

अम्बेडकर मेमोरियल में बाबा साहेब के जीवन से जुड़ी अभिलेख प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें उनके जीवन संघर्ष और योगदान को चित्रों व दस्तावेजों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

गोमती नगर स्थित मेमोरियल में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

14 अप्रैल को लखनऊ के गोमती नगर स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेमोरियल में 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' विषयक कार्यक्रम का आयोजन अपराह्न 1 बजे से रात 9 बजे तक होगा। इस दौरान बाबा साहेब के विचारों और व्यक्तित्व को समर्पित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी, जिनमें उत्तर प्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों से आए लोक कलाकार शामिल होंगे।

लोकगीत और नृत्य नाटिकाओं से सजेंगी प्रस्तुतियां

कार्यक्रम में लखीमपुर खीरी के श्यामजीत सिंह, मऊ के त्रिभुवन भारती, लखनऊ के विपिन कुमार और निहारिका कश्यप, बलिया के रामदुलार, वाराणसी के भइया लाल पाल, गोरखपुर के मनोज पासवान अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को संबोधित करेंगे। वहीं, मुंबई से अनिरुद्ध वनकर की विशेष मौजूदगी में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा।

व्यापार जगत

अंबानी से लेकर टाटा तक: बीते हफ्ते किस कंपनी ने कमाई में मारी बाज़ी?

टॉप 10 में से पांच कंपनियों की मार्केट वैल्यू में जबरदस्त बढ़ोतरी

एजेंसी | नई दिल्ली

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में हल्की गिरावट के बावजूद सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिलाकर 84,559.01 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर सबसे ज्यादा मुनाफे में रही।

टीसीएस और इन्फोसिस को भारी नुकसान

दूसरी ओर, टाटा समूह की प्रमुख कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 24,295.46 करोड़ रुपए घटकर 11,69,474.43 करोड़ रुपए रह गया। वहीं, इन्फोसिस का मूल्यांकन 17,319.11 करोड़ रुपए घटकर 5,85,859.34 करोड़ रुपए हो गया।

हिंदुस्तान यूनिलीवर सबसे आगे, जोड़े 28,700 करोड़

हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण बीते सप्ताह 28,700.26 करोड़ रुपए बढ़कर 5,56,054.27 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। यह कंपनियों की सूची में सबसे ज्यादा बढ़त रही। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 19,757.27 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 16,50,002.23 करोड़ रुपए का मार्केट कैप हासिल किया।

बैंकों पर भी दिखा असर

भारतीय स्टेट बैंक को 12,271.36 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक को 8,913.09 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 7,958.31 करोड़ रुपए घटकर 13,82,450.37 करोड़ रुपए रह गई।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में कौन कहां?

रिलायंस इंडस्ट्रीज अब भी शीर्ष स्थान पर कायम है। उसके बाद क्रमश: एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस, और आईटीसी का स्थान रहा।

आईटीसी और बजाज फाइनेंस को भी फायदा

आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 15,329.79 करोड़ रुपए बढ़कर 5,27,845.57 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जबकि बजाज फाइनेंस ने 12,760.23 करोड़ रुपए की बढ़त दर्ज करते हुए 5,53,348.28 करोड़ रुपए का आंकड़ा छू लिया। भारती एयरटेल भी पीछे नहीं रही, उसका मार्केट कैप 8,011.46 करोड़ रुपए बढ़कर 10,02,030.97 करोड़ रुपए हो गया।

ट्रंप टैरिफ नीति पर मूडीज की चेतावनी: अमेरिकी बाजार से उठ सकता है लोगों का भरोसा

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने जताई गंभीर आशंका

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने बड़ा बयान दिया है। मूडीज ने कहा है कि टैरिफ वॉर का अमेरिका की अर्थव्यवस्था और बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जिससे निवेशकों और आम लोगों का बाजार से भरोसा उठ सकता है।

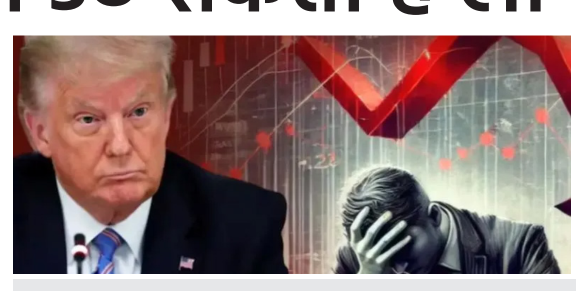

बाजार में गिर सकती है उपभोक्ता भावना

नीति अनिश्चितता और लगातार बदलते व्यापार नियमों के चलते उपभोक्ता और व्यापारिक भावना कमजोर पड़ सकती है। इससे घरेलू मांग घटने की आशंका है और अमेरिका समेत वैश्विक वृद्धि दर पर नकारात्मक असर हो सकता है।

90 दिन की राहत, लेकिन जोखिम बरकरार

राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन को छोड़कर अन्य देशों पर लगाए गए कुछ टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। हालांकि, अधिकांश देशों पर अब भी 10 प्रतिशत सीमा शुल्क लागू रहेगा। मूडीज रेटिंग्स की वरिष्ठ उपाध्यक्ष निकी डांग ने कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार तनाव और चीन में आर्थिक सुस्ती एशियाई क्षेत्र की विकास दर के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। मूडीज एनालिटिक्स ने भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान में कटौती करते हुए 2025 के लिए विकास दर को 6.4 प्रतिशत से घटाकर 6.1 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत जैसी बड़ी घरेलू बाजारों वाली अर्थव्यवस्थाओं को लंबी अवधि में लाभ हो सकता है, लेकिन निवेश प्रवाह में बड़ा बदलाव धीरे-धीरे होगा। मूडीज के मुताबिक, टैरिफ में 90 दिन की राहत ने एशिया के व्यापार पर अतिरिक्त दबाव को फिलहाल कम जरूर किया है, लेकिन क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं को अब भी अतिरिक्त शुल्क देना पड़ रहा है।

साइबर फ्रॉड पर कड़ा प्रहार: बैंकों ने मांगा अवैध लेनदेन वाले खातों को जब्त करने का अधिकार

एजेंसी | नई दिल्ली

देशभर में फर्जी खातों के जरिये होने वाली साइबर धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए बैंकों ने अवैध लेनदेन में शामिल खातों को तत्काल जब्त करने का अधिकार मांगा है। उनका कहना है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों या अदालत से मंजूरी मिलने तक इंतजार करना कीमती समय गंवाने जैसा है, जिससे ठग रकम निकालने में सफल हो जाते हैं। वर्तमान में बैंक आंतरिक कारणों के आधार पर खाते सीज कर सकते हैं, लेकिन धन शोधन रोधक अधिनियम (PMLA) के तहत बिना कानूनी मंजूरी के खातों को जब्त नहीं किया जा सकता। ऐसे में बैंकिंग व्यवस्था की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई गई है। भारतीय बैंक संघ (IBA) के एक कार्यसमूह ने अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की है

कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) इस विषय पर गंभीरता से विचार करे। बैंक हर साल हजारों संदिग्ध खातों को सीज करते हैं, लेकिन साइबर अपराधी लगातार नई रणनीतियों से नए खाते खोल लेते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि फर्जी दस्तावेजों और प्रणाली की खामियों का फायदा उठाकर ठगों की पहुंच लगातार बनी रहती है। बैंकों ने पैन कार्ड के अभाव में मतदाता पहचान पत्र और फॉर्म 60 के आधार पर खुले खातों की सख्त जांच और उन पर लेनदेन की सीमा तय करने का सुझाव दिया है।

सनोफी इंडिया का बड़ा ऐलान: एक शेयर पर मिलेगा ₹117 का डिविडेंड

25 अप्रैल तय हुई रिकॉर्ड डेट, निवेशकों के लिए बड़ी खबर

एजेंसी | मुंबई

दवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सनोफी इंडिया लिमिटेड (Sanofi India Ltd) ने अपने शेयरधारकों को बड़ी सौगात दी है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह प्रत्येक शेयर पर 117 का डिविडेंड देगी। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 25 अप्रैल 2025 तय की गई है। यानी जिन निवेशकों के पास इस तारीख को कंपनी के शेयर होंगे, वही इस लाभांश के हकदार होंगे।

डिविडेंड देने में भरोसेमंद रही कंपनी

सनोफी इंडिया डिविडेंड देने के मामले में एक विश्वसनीय नाम रही है। कंपनी अब तक 30 से ज्यादा बार निवेशकों को लाभांश दे चुकी है। पहली बार कंपनी ने 2001 में 4 प्रति शेयर डिविडेंड दिया था। मौजूदा 117 का डिविडेंड कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति और निवेशकों के प्रति सकारात्मक नीति को दर्शाता है। हाल के दिनों में कंपनी के शेयरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पिछले एक सप्ताह में करीब 10% की तेजी देखने को मिली है, जबकि एक साल में निवेशकों को लगभग 12% रिटर्न मिला है। 11 अप्रैल को बीएसई पर शेयर 6185.30 पर बंद हुआ, जो 2.24% की बढ़त के साथ रहा। बीते दो वर्षों में इस स्टॉक में करीब 59% की उछाल आई है। दिसंबर 2024 तक प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 60.40% और पब्लिक की हिस्सेदारी 39.60% रही। बीते तीन तिमाहियों में इस पैटर्न में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, अब तक सनोफी इंडिया ने कोई बोनस शेयर जारी नहीं किया है।

फिल-विराट की धमाकेदार जोड़ी ने राजस्थान को चटाई धूल

एजेंसी | जयपुर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए राजस्थान रॉयल्स को उनके घर में 9 विकेट से मात दी। रजत पाटीदार की कप्तानी में खेल रही बेंगलुरु की यह सीजन की चौथी जीत रही और खास बात यह रही कि सभी जीत टीम ने विपक्षी टीमों के घर में दर्ज की हैं। जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बेंगलुरु के गेंदबाजों ने राजस्थान को 173 रन तक सीमित रखा, जिसे फिल सॉल्ट और विराट कोहली की बेहतरीन पारियों के दम पर 18वें ओवर में हासिल कर लिया गया।

- जयपुर में बेंगलुरु ने रचा जीत का नया अध्याय
- राजस्थान की पिच पर बेंगलुरु की तूफानी जीत

'घर वापसी' में निराश हुई राजस्थान

राजस्थान रॉयल्स ने इस सीजन अपने पहले दो घरेलू मुकाबले गुवाहाटी में खेले थे। जयपुर में यह उनका पहला मैच था, जिससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन टीम फील्डिंग और बैटिंग दोनों में नाकाम रही। राजस्थान ने मुकाबले में 5 कैच छोड़े, जिनका सॉल्ट और कोहली ने भरपूर फायदा उठाया। बेंगलुरु ने भी शुरुआत में 3 कैच छोड़े, लेकिन राजस्थान इसका लाभ नहीं उठा पाई।

जायसवाल चमके, बाकी बल्लेबाज फेल

पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स ने 173 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल (75 रन) ने अर्धशतक जमाया और शुरुआत में रफ्तार पकड़ने की कोशिश की, लेकिन दूसरे छोर से कोई खास सहयोग नहीं मिला। रियान पराग ने 30 और ध्रुव जुरेल ने नाबाद 35 रन बनाकर स्कोर को सम्मानजनक बनाया। बेंगलुरु के लिए क्रुणाल पंड्या ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 1 विकेट लिया।

सॉल्ट ने पावरप्ले में ही कर दिया मैच का फैसला

बेंगलुरु की ओर से फिल सॉल्ट ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए और केवल 28 गेंदों में अर्धशतक जड़ डाला। इस दौरान उन्हें 3 जीवनदान भी मिले, जिनका उन्होंने भरपूर फायदा उठाया। सॉल्ट ने 33 गेंदों पर 65 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद विराट कोहली ने मोर्चा संभाला और नाबाद 62 रन बनाकर मैच जिताया।

विराट ने रचा इतिहास, T20 में लगाया अर्धशतकों का शतक

एजेंसी | नई दिल्ली

विराट कोहली एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। 13 अप्रैल को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने अपना 100वां टी20 अर्धशतक पूरा कर नया इतिहास रच दिया। यह कारनामा कर कोहली टी20 में अर्धशतकों का शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज़ बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि वानिंदु हसरंगा की गेंद पर छक्का जड़कर हासिल की कोहली अब इस खास क्लब में ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर के साथ शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इससे पहले यह मुकाम हासिल किया था। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ कोहली ने 45 गेंदों में नाबाद 62 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

भारत के पहले बल्लेबाज़ बने, डेविड वॉर्नर के क्लब में हुए शामिल

आईपीएल में भी टॉप पर 'किंग कोहली'

यह विराट कोहली का आईपीएल में 66वां अर्धशतक था, जिससे वह इस मामले में भी डेविड वॉर्नर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। शिखर धवन इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं, जिनके नाम 53 अर्धशतक दर्ज हैं।

T20 में दमदार रिकॉर्ड

कोहली ने यह उपलब्धि अपने 405वें टी20 मैच में हासिल की है। अब तक वह 387 पारियों में 13134 रन बना चुके हैं, जिसमें 9 शतक और 100 अर्धशतक शामिल हैं। मौजूदा सीजन की बात करें तो उन्होंने 6 पारियों में 61.00 की औसत से 248 रन बना लिए हैं, जिसमें 3 अर्धशतक शामिल हैं।

अपने आंकड़े देखा करें...' कमेंटेटर्स पर भड़क उठा ऋषभ पंत की टीम का क्रिकेटर

एजेंसी | नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) शानदार लय में दिख रही है. ऋषभ पंत की अगुवाई में लखनऊ सुपर जायंट्स ने अब गुजरात टाइटन्स को 6 विकेट से हरा दिया. इस सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स की छह मैचों में ये चौथी जीत रही. गुजरात के खिलाफ जीत में तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर की अहम भूमिका रही. शार्दुल ने शेरफेन रदरफोर्ड और राहुल तेवतिया के विकेट हासिल किए.

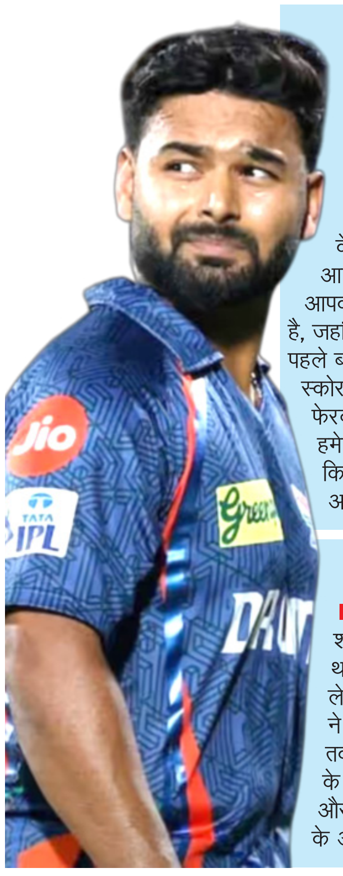

कमेंटेटर्स पर क्यों भड़क उठे शार्दुल?

इस मैच के बाद शार्दुल ठाकुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया. शार्दुल ने इस दौरान आलोचकों को निशाने पर लिया. शार्दुल इस दौरान कमेंटेटर्स पर भी भड़क उठे. शार्दुल ठाकुर ने आईपीएल 2025 में अब तक 6 मैचों में 11 विकेट लिए हैं. वो अपनी टीम के लिए इस आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी हैं. शार्दुल ठाकुर ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि एक गेंदबाजी यूनिट के रूप में हमने इस सीजन में अच्छी गेंदबाजी की है. कमेंट्री में कई बार आलोचना होती है. वे गेंदबाजों पर सख्त होने की कोशिश करते हैं. लेकिन आपको यह समझना होगा कि क्रिकेट एक निश्चित दिशा में आगे बढ़ रहा है, जहां 200+ स्कोर बनाना आम बात हो चुका है.' उन्होंने आगे कहा, 'हमने पहले बल्लेबाजी करते हुए दो मौकों पर स्कोर का बचाव किया है. हमने अच्छा स्कोर बनाया, पिच बल्लेबाजी के लिए बेहतर हो गई और यहां तक कि बड़े फेरबदल के बावजूद हम टारगेट को डिफेंड करने में सफल रहे. आलोचना हमेशा होती रहेगी खासकर कमेंटेटरों की ओर से. स्टूडियो में बैठकर किसी की गेंदबाजी पर टिप्पणी करना आसान है, लेकिन वे मैदान पर असली तस्वीर नहीं देखते. मुझे यकीन है कि किसी की आलोचना करने

शार्दुल का ऐसा है रिकॉर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स ने मोहसिन खान की जगह ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को आईपीएल 2025 के लिए अपनी टीम में शामिल किया था. शार्दुल ठाकुर आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहे थे. लेकिन अब वो आईपीएल में अपना जलवा बिखेर रहे हैं. शार्दुल ठाकुर ने साल 2015 में पंजाब किंग्स के साथ IPL डेब्यू किया था. तब से अब तक उन्होंने 101 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 105 विकेट लेने के अलावा 315 रन बनाए हैं. शार्दुल ने भारत के लिए 11 टेस्ट, 47 वनडे और 25 टी20 मुकाबले खेले हैं. इस दौरान उन्होंने 129 विकेट चटकाने के अलावा 729 रन बनाए.

अल्कारेज बने मोंटे कार्लो मास्टर्स के विजेता, मुसेटी को हराया

करियर का 10वां बड़ा खिताब जीता

एजेंसी | नई दिल्ली

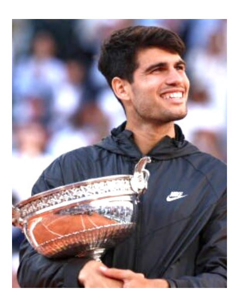

स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इटली के लौरेंजो मुसेटी को 3-6, 6-1, 6-0 से हराकर मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का अपना पहला खिताब हासिल किया। पिछले साल विंबलडन जीतने के बाद यह स्पेनिश खिलाड़ी की पहली बड़ी जीत है। मार्च में वह मियामी में शुरुआती दौर में बाहर हो गए। इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में हार गए थे। 21 साल के इस युवा खिलाड़ी ने फॉर्म में वापसी करते हुए अपना छठा मास्टर्स 1000 खिताब जीता। चार ग्रैंडस्लैम जीतने वाले अल्कारेज का यह 10वां बड़ा खिताब है।

एटीपी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर आना तय

मुसेटी ने दो बार ब्रेक प्वाइंट लिया और अल्कारेज की 11 बेजा गलतियों का फायदा उठाकर पहला सेट जीत लिया, लेकिन उसके बाद अल्कारेज ने दूसरे सेट में लय हासिल कर ली और दो ब्रेक प्वाइंट लेने के बाद पांच गेम लगातार जीतते हुए दूसरा सेट जीतकर बराबरी कर ली। अल्कारेज की अथक गति, संतुलन और शक्ति के आगे मुसेटी परेशान नजर आए। तीसरे सेट में मामला एकतरफा था। स्पेनिश खिलाड़ी ने 3-0 की बढ़त बना ली। इटली के मुसेटी ने मेडिकल टाइमआउट को लेकर जांघ का उपचार कराया। उसके बाद अल्कारेज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस जीत से अल्कारेज का एटीपी रैंकिंग में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हटाकर दूसरे स्थान पर आना तय हो गया है।

IPL में छक्के-चौकों से शतक ठोकने वाले खास 8 खिलाड़ी

इन बल्लेबाजों ने अपनी इनिंग में सिर्फ बाउंड्रीज से पूरे किए 100 रन

एजेंसी | नई दिल्ली

IPL के इतिहास में कई बल्लेबाजों ने शतक जड़े हैं, लेकिन कुछ दिग्गज ऐसे भी हैं जिन्होंने सिर्फ छक्के और चौकों के दम पर अपनी इनिंग में 100 या उससे ज्यादा रन पूरे किए। यानी बिना रन दौड़े, सिर्फ बाउंड्रीज से शतक का कमाल कर दिखाया। IPL 2008 से लेकर 2025 तक अब तक सिर्फ 8 खिलाड़ी ही ऐसा कर पाए हैं। आइए जानते हैं कौन हैं ये खास बल्लेबाज।

क्रिस गेल

छक्के-चौकों से सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड

IPL 2013 में गेल ने RCB की ओर से खेलते हुए पुणे के खिलाफ 175 रन की ऐतिहासिक पारी में 156 रन सिर्फ बाउंड्रीज से बनाए थे। इस पारी में उन्होंने 13 चौके और 17 छक्के जड़े थे।

IPL 2012 : 128 रन की पारी में 106 रन बाउंड्रीज से (7 चौके, 13 छक्के)

IPL 2015 : 115 रन की पारी में 100 रन बाउंड्रीज से (7 चौके, 12 छक्के)

ब्रेंडन मैक्कुलम

ओपनिंग मैच में धुआंधार शुरुआत

IPL के पहले ही मैच में KKR की ओर से खेलते हुए मैक्कुलम ने RCB के खिलाफ 158 रन बनाए, जिसमें 118 रन छक्के-चौकों से आए थे। उन्होंने 10 चौके और 13 छक्के लगाए थे।

अभिषेक शर्मा

IPL 2025 में तूफानी पारी

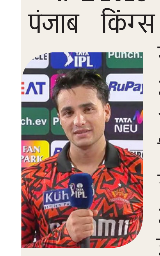

पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलते हुए अभिषेक ने 141 रन बनाए, जिसमें 116 रन बाउंड्रीज से आए। इस पारी में उन्होंने 14 चौके और 10 छक्के लगाए।

एबी डीविलियर्स

बाउंड्रीज से बनाए 112 और 100 रन

IPL 2016 : 129 रन की पारी में 112 रन बाउंड्रीज से (10 चौके, 12 छक्के)

IPL 2015 : 133 रन की पारी में 100 रन बाउंड्रीज से (19 चौके, 4 छक्के)

यशस्वी जायसवाल

युवा बल्लेबाज का बड़ा धमाका

IPL 2023 में जायसवाल ने 124 रन की पारी में 112 रन बाउंड्रीज से जुटाए थे। उन्होंने 16 चौके और 8 छक्के लगाए थे।

सनथ जयसूर्या

IPL 2008 में शुरुआती आतिशबाज़ी

मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए जयसूर्या ने 114 रन की पारी में 102 रन बाउंड्रीज से बनाए थे। उन्होंने 9 चौके और 11 छक्के जड़े थे।

ऋषभ पंत

सनराइजर्स के खिलाफ विस्फोटक इनिंग

IPL 2018 में पंत ने 128 रन की पारी में 102 रन सिर्फ बाउंड्रीज से बनाए थे। इस इनिंग में उन्होंने 15 चौके और 7 छक्के लगाए थे।

क्विंटन डि कॉक

IPL 2022 में दमदार प्रदर्शन

डि कॉक ने अपनी 140 रन की पारी में 100 रन छक्के-चौकों से बनाए थे। उन्होंने 10 चौके और 10 छक्के जमाए थे।

बॉलीवुड

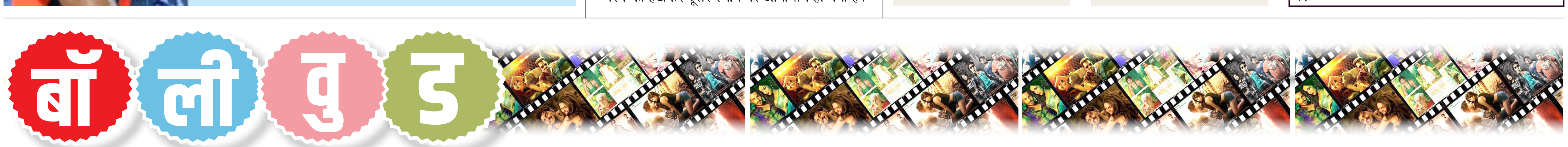

वीकेंड पर जाट' की कमाई बढ़ी, तीसरे दिन 10 करोड़ रुपए कमाए

सनी देओल बॉलीवुड के सबसे दमदार एक्टर्स में से एक हैं। उन्होंने अब तक अपने फिल्मी करियर में कई सुपरहिट भूमिकाएं निभाई हैं। उनके कई संवाद आज भी फिल्म प्रेमियों को याद हैं। दो साल बाद सनी ने 'जाट' के जरिए बॉलीवुड में वापसी की है। 10 अप्रैल को रिलीज हुई इस फिल्म को आलोचकों और प्रशंसकों से सकारात्मक समीक्षा मिली है। फिल्म 'जाट' की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत भले ही धीमी रही हो, लेकिन वीकेंड पर फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। सैकनिल्क के मुताबिक 'जाट' ने तीसरे दिन 10 करोड़ रुपए कमाए हैं। 3 दिनों में यह फिल्म भारत में 26.50 करोड़ कमा चुकी है। पहले दिन इसने 9.5 करोड़, जबकि दूसरे दिन आंकड़ा 7 करोड़ पहुंच गया और तीसरे दिन यह कमाई 10 करोड़ रुपए तक जा पहुंची है। अगर फिल्म ऐसे ही आगे बढ़ती रही तो यह अपना 60 करोड़ रुपए का बजट आराम से निकाल लेगी। फिल्म 'जाट' के कई दृश्य काट दिए गए हैं। कुल 22 परिवर्तन किये गये हैं। इसमें गाली-गलौज और अभद्र भाषा सहित कई हिंसक दृश्य थे, जिन्हें अब बदल दिया गया है। महिला इंस्पेक्टर के साथ छेड़छाड़ वाले दृश्य को भी हटा दिया गया है और उसे छोटा कर दिया गया है। हालांकि, सोशल मीडिया पर फिल्म 'जाट' को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है। कुछ लोगों का कहना है कि 'जाट' सनी के करियर की अब तक की सबसे अच्छी फिल्म है।

प्रतीक गांधी ने 'फुले' की रिलीज डेट टालने पर जताई नाराजगी

प्रतीक गांधी की आगामी फिल्म 'फुले' इन दिनों चर्चा में है। यह फिल्म समाज सुधारकों महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन और उनके महत्वपूर्ण कार्यों पर आधारित है। पहले यह फिल्म 11 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे दो सप्ताह के लिए टाल दिया गया है। दरअसल, फिल्म के ट्रेलर में दिखाए गए एक सीन को लेकर ब्राह्मण समुदाय ने आपत्ति जताई है, जिसके चलते यह निर्णय लिया गया। इस विवाद पर अभिनेता प्रतीक गांधी ने कहा कि फिल्म का मकसद किसी भी समुदाय की भावनाओं को आहत करना नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सिर्फ एक सच्ची और प्रेरणादायक कहानी को लोगों तक पहुंचाना है। फिल्म 'फुले' के ट्रेलर को लेकर मचे विवाद के बीच अभिनेता प्रतीक गांधी ने कहा, मैं उस वक्त एक शूटिंग लोकेशन पर था, जब मुझे खबर मिली कि फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ, क्योंकि 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले की 179वीं जयंती होने से हमारे लिए बेहद खास तारीख थी। अगर फिल्म उसी दिन रिलीज होती, तो वह पल ऐतिहासिक बन जाता, लेकिन कोई बात नहीं... जो भी होता है, शायद अच्छे के लिए ही होता है। प्रतीक गांधी ने यह भी साफ किया कि फिल्म का मकसद सिर्फ फुले दंपति के महान कार्यों को दर्शाना है और इसका किसी की भावनाएं आहत करने का इरादा नहीं है। उन्होंने आगे कहा, निर्माताओं से फिल्म में कुछ बदलाव करने के लिए कहा गया है। हालांकि, फिल्म का मूल संदेश मिटाया नहीं गया है। कुछ लोगों ने ट्रेलर पर ही आपत्ति जताई है और मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे पूरी फिल्म देखें और फिर अपना वोट दें। ट्रेलर में कोई संदर्भ नहीं दिया गया है। फिल्म 'फुले' अब 25 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का निर्देशन अनंत महादेवन ने किया है।

अजीत कुमार की 'गुड बैड अग्ली' ने मचाया धमाल

साउथ सुपरस्टार अजीत कुमार की नई फिल्म 'गुड बैड अग्ली' बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। महज तीन दिनों में फिल्म ने 114.70 करोड़ रुपए की वर्ल्डवाइड कमाई कर सभी को चौंका दिया है। अजीत की पिछली फिल्म 'विदामुयार्ची' जहां फ्लॉप रही थी, वहीं इस बार उन्होंने ज़ोरदार वापसी की है। फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो 'गुड बैड अग्ली' ने भारत में 74.40 करोड़ रुपए और विदेशों में 40.30 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। इस तरह फिल्म ने कुल 114.70 करोड़ रुपए का कलेक्शन करते हुए बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा कायम कर लिया है। अजीत कुमार की यह फिल्म कमाई के मामले में मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की एल2 एमपुरान और बॉलीवुड स्टार सनी देओल की जाट को पीछे छोड़ चुकी है। जहां सनी देओल की फिल्म ने भारत में अब तक महज 32 करोड़ रुपए और वर्ल्डवाइड 54 करोड़ रुपए की कमाई की है, वहीं अजीत की फिल्म इससे दोगुना से भी ज्यादा कमा चुकी है। करीब 170 करोड़ रुपए के बजट में बनी 'गुड बैड अग्ली' तेज़ी से अपना खर्च निकालने की दिशा में बढ़ रही है। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि फिल्म आने वाले दिनों में और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकती है, खासतौर पर वीकेंड्स में। स्टाइल और फिटनेस का जलवा बरकरार

सुष्मिता ने फवाद खान का किया समर्थन

पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान एक बार फिर बॉलीवुड में कमबैक करने जा रहे हैं। करीब 9 साल बाद फवाद हिंदी सिनेमा में वापसी कर रहे हैं। उनकी फिल्म 'अबीर गुलाल' का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसमें उनके साथ वाणी कपूर नजर आएंगी। फवाद की वापसी पर जहां एक ओर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ी है, वहीं एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने उनका समर्थन किया है। हाल ही में एक इवेंट में पहुंचीं सुष्मिता सेन से जब फवाद खान के कमबैक को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने खुलकर अपनी बात रखी। एक्ट्रेस ने कहा, "मुझे इतना सब नहीं पता, लेकिन मैं बस इतना जानती हूं कि हुनर और क्रिएटिविटी की कोई बाउंड्री नहीं होती, और होनी भी नहीं चाहिए। ये एक ऐसी चीज है, जो सरहदों से परे होती है। मुझे उम्मीद है कि ये भावना हर फील्ड में दिखे।" सुष्मिता सेन से जब पूछा गया कि क्या वह कभी पाकिस्तानी फिल्म में काम करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा,'मैं हमेशा से एक अच्छी फिल्म करना चाहती रही हूं और भविष्य में भी करूंगी। फिर वो फिल्म किसी भी इंडस्ट्री या देश की क्यों न हो, मेरे लिए अच्छा काम मायने रखता है।' फवाद खान की फिल्म 'अबीर गुलाल' को आरती ने डायरेक्ट किया है, और इसे विवेक अग्रवाल और फिरुजी खान ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फवाद को आखिरी बार बॉलीवुड में करण जौहर की फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' (2016) में देखा गया था। सुष्मिता सेन के वर्कफ्रंट की बात करें तो फिलहाल उनके पास कोई एक्टिव प्रोजेक्ट नहीं है, लेकिन वे जल्द ही अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा कर

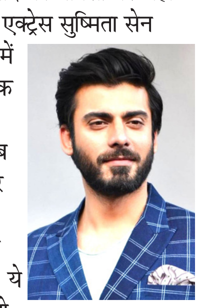

तबादलों का दौर जारी!

फिर हुआ कई IAS अधिकारियों का ट्रांसफर, मिली नवीन पदस्थापना

एजेंसी । पटना

बिहार सरकार ने रविवार को प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के कई वरिष्ठ अधिकारियों को स्थानांतरित कर अतिरिक्त प्रभार सौंपा। एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, 1992 बैच की आईएएस अधिकारी हरजोत कौर बाम्हरा को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग (डीईएफसीसी) में अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) के पद पर स्थानांतरित किया गया है। वह वर्तमान में समाज कल्याण विभाग में एसीएस और महिला एवं बाल विकास निगम में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के पद पर हैं। उद्योग तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग में सचिव का प्रभार संभाल रहीं 2003 बैच की आईएएस अधिकारी बंदना प्रेयसी को समाज कल्याण विभाग में स्थानांतरित किया गया है। उन्हें महिला एवं बाल विकास निगम में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। अधिसूचना के अनुसार, 1993 बैच के आईएएस अधिकारी मिहिर कुमार सिंह को राज्य उद्योग विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया है। वह विभाग के नये एसीएस होंगे। वह वर्तमान में सड़क निर्माण विभाग में एसीएस हैं।

ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता, खामेनेई की शर्तों पर समझौता

एजेंसी । तेहरान

ईरान और अमेरिका के बीच शनिवार से परमाणु मुद्दे और प्रतिबंधों को लेकर बातचीत शुरू हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस वार्ता का ऐलान करते हुए कहा था कि यह प्रत्यक्ष वार्ता होगी, लेकिन ईरान ने अपनी शर्तों के अनुसार इसे 'अप्रत्यक्ष' रूप में शुरू किया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, वार्ता ओमानी मध्यस्थता से होगी और यह सिर्फ परमाणु मुद्दे और प्रतिबंधों को हटाने पर केंद्रित रहेगी। ईरान ने स्पष्ट किया कि यह वार्ता अपनी शर्तों पर हो रही है, न कि अमेरिका के अनुरूप। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाकेई ने सरकारी टीवी से कहा, वार्ता अप्रत्यक्ष रूप से जारी रहेगी और ओमान मध्यस्थ बना रहेगा। हम सिर्फ परमाणु मुद्दे और प्रतिबंधों को हटाने पर चर्चा करेंगे।

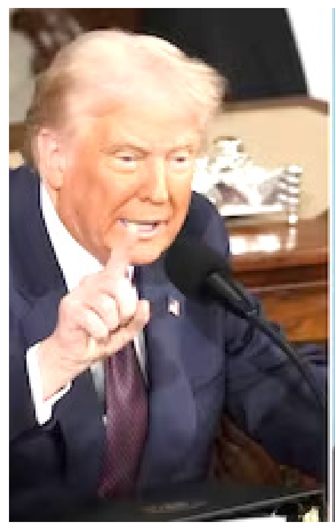

अमेरिका को ईरान की शर्तों के सामने झुकना पड़ा, वार्ता अप्रत्यक्ष रूप से होगी

ट्रंप की धमकी और संभावित परिणाम

इससे पहले, ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर परमाणु मुद्दे पर डील नहीं होती, तो ईरान के लिए परिणाम गंभीर होंगे। ट्रंप ने यह भी कहा था कि ईरान पर इजराइल के नेतृत्व में हमला भी हो सकता है, अगर वार्ता सफल नहीं हुई तो। यह स्थिति दर्शाती है कि अमेरिका, ईरान के सामने अपनी शर्तों पर झुका है और दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने के बावजूद वार्ता का सिलसिला जारी है।

पंजाब में कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा के बयान पर बवाल

FIR दर्ज करने की तैयारी

एजेंसी । चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा के एक बयान ने राज्य में सियासी बवाल मचा दिया है। बाजवा ने दावा किया था कि पंजाब में 50 बम आए हैं, जिनमें से 18 फट चुके हैं और 32 अभी बाकी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इनमें से एक बम का इस्तेमाल बीजेपी नेता मनोरंजन कालिया के घर पर धमाके के लिए किया गया। इस बयान के बाद पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने 13 अप्रैल को बाजवा के चंडीगढ़ स्थित आवास पर पूछताछ के लिए दस्तक दी। पुलिस ने बयान के सोर्स के बारे में जानकारी प्राप्त करने की कोशिश की, लेकिन बाजवा ने कोई सहयोग नहीं किया और सोर्स से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी। AIG रवजोत ग्रेवाल ने इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा संवेदनशील बताते हुए कहा कि यह जानकारी जरूरी है।

सीएम मान ने किया तीखा हमला

- पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बाजवा के बयान को गैर-जिम्मेदाराना करार देते हुए कड़ी आलोचना की। उन्होंने सवाल किया कि बाजवा को यह जानकारी कहां से मिली। सीएम ने कहा कि न तो इंटेलिजेंस के पास ऐसी कोई सूचना है, न ही केंद्र सरकार को ऐसी कोई जानकारी प्राप्त हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अगर यह बयान झूठा है, तो बाजवा पंजाब में दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर बाजवा का उद्देश्य केवल दहशत फैलाना है।

दादर के इंदु मिल क्षेत्र में भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की भव्य स्मारक परियोजना की समीक्षा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

एमएमआरडीए आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी, बी.पी.एस. और अतिरिक्त आयुक्त 1 विक्रम कुमार, बी.पी.एस. ने हाल ही में दादर के इंदु मिल क्षेत्र में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की भव्य स्मारक परियोजना की समीक्षा की। यह समीक्षा यात्रा डॉ. अंबेडकर के विचारों को श्रद्धांजलि देने और राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना को समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकरण की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्मारक परियोजना के कुछ प्रमुख परियोजना घटकों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है :

- डबल बेसमेंट (पार्किंग): 95% कार्य पूर्ण | निर्धारित पूर्णता – 31 मई, 2025
- प्रवेश हॉल: 88.5% कार्य पूर्ण
- व्याख्यान कक्ष: 78.75% कार्य पूर्ण
- पुस्तकालय: 81% कार्य पूर्ण
- प्रदर्शनी और सभागार: 68% कार्य पूर्ण | निर्धारित समापन – 31 अगस्त, 2025

प्रतिमा परियोजना पर भी तेजी से काम चल रहा है :

- 230 फीट ऊंचे थर्मोकोल मॉडल पर काम पूरा
- 1395 मीट्रिक टन स्ट्रक्चरल स्टील की खरीद पूरी
- 155 मीट्रिक टन बेस प्लेट का निर्माण और निर्माण पूरा
- कुल 10,510 वर्ग मीटर में से 308 वर्ग मीटर कांस्य पैनलिंग पूरी

महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने इस भव्य स्मारक से जुड़ी सभी एजेंसियों को काम की गति बढ़ाने का निर्देश दिया है, और उम्मीद जताई है कि यह स्मारक न केवल समय पर पूरा हो बल्कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के अमर कार्यों के अनुरूप गौरव का प्रतीक भी बने। उनकी जयंती के अवसर पर इस काम को और तेज गति से आगे बढ़ाने का संकल्प नई प्रेरणा के साथ लिया गया है।

गांवों की कनेक्टिविटी पर जोर

▸▸ बिहार में 6043 किमी ग्रामीण सड़कों की मरम्मत पूरी, 3059 करोड़ खर्च

एजेंसी । पटना

बिहार सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क नेटवर्क तैयार करने पर खास जोर दे रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण (मरम्मति) कार्यक्रम के तहत राज्य में अब तक 6043 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों की मरम्मत का काम पूरा हो चुका है। इस कार्य पर कुल 3059 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि योजना के लिए 3294 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। यह राज्य सरकार की ग्रामीण विकास नीति की एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम अब बिहार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति 2018 के अंतर्गत संचालित हो रहा है।

साल दर साल बढ़ा निवेश

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस योजना में हर वर्ष निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2006-07 में जहां मात्र 106 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, वहीं 2024-25 में यह राशि बढ़कर 3059 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यह ग्रामीण सड़कों को लेकर सरकार की प्राथमिकता को दर्शाता है।

ग्रामीण जीवन में दिख रहा असर

इस योजना के चलते राज्य के ग्रामीण इलाकों में सड़कों की स्थिति में काफी सुधार देखा गया है। बेहतर सड़कों से किसानों को मंडियों तक पहुंचने, बच्चों को स्कूल जाने और ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं पाने में सुविधा हो रही है।

ग्रामीण विकास की रीढ़ बन रहा है कार्यक्रम

मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम आज बिहार के ग्रामीण इलाकों में विकास की रीढ़ बनता जा रहा है। यह न सिर्फ संपर्क मार्गों को बेहतर बना रहा है, बल्कि गांवों को राज्य की मुख्यधारा से जोड़कर समग्र विकास में अहम योगदान भी दे रहा है।

पप्पू यादव का सियासी हमला

तेजस्वी, पीके और लांडे पर तीखी टिप्पणी

एजेंसी । पटना

पूर्व सांसद पप्पू यादव ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़ा सियासी हमला बोला। उन्होंने तेजस्वी यादव, प्रशांत किशोर, शिवदीप लांडे की 'हिंद सेना' और एनडीए नेताओं को आड़े हाथों लिया। प्रशांत किशोर को निशाने पर लेते हुए पप्पू यादव ने कहा कि उनके पास काला धन और घमंड दोनों है, लेकिन पटना में 5 हजार की भीड़ नहीं जुटा सके। उन्होंने कहा कि गांधी मैदान में पीके की रैली को लेकर डीएम की रिपोर्ट ने सब कुछ साफ कर दिया है—न जाम था, न भीड़। जबकि पीके ने अपनी रैली में जाम का हवाला देकर देरी का बहाना बनाया था।

NDA में सीएम पद के दावेदारों की भीड़

पप्पू यादव ने पूर्व आईपीएस अधिकारी शिवदीप लांडे पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का रहने वाला व्यक्ति बिहार में पार्टी बनाकर राजनीति कर रहा है, जबकि बतौर IG भी वह अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाया। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि लांडे जमीन की दलाली में शामिल रहे हैं। तंज कसते हुए पप्पू यादव ने कहा कि संजय झा, सम्राट चौधरी, गिरिराज सिंह, मंगल पांडे, दिलीप जायसवाल जैसे 40 नेता सीएम बनने के लिए कतार में हैं। तेजस्वी यादव के खुद को मुख्यमंत्री पद का दावेदार बताने पर पप्पू यादव ने कहा कि INDIA गठबंधन में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, खरगे, माले और लालू यादव मिलकर सीएम का नाम तय करेंगे।

खान मार्केट बना रहा रुतबा, फिर साबित किया खुद को सबसे महंगा बाजार

दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख बाजारों में किराये में तेज उछाल, नोएडा सेक्टर-18 में स्थिरता

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली के प्रीमियम शॉपिंग हब खान मार्केट ने एक बार फिर अपनी जगह दुनिया के सबसे महंगे बाजारों में बरकरार रखी है। जनवरी-मार्च 2025 की तिमाही में यहां खुदरा किराये में 7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे यह बढ़कर 1,600-1,650 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह पहुंच गया। यह जानकारी रियल एस्टेट सलाहकार कुशमैन एंड वेकफील्ड ने साझा की है। दिल्ली का इनर सर्कल वाला कनॉट प्लेस भी पीछे नहीं रहा। यहां खुदरा स्थल का मासिक किराया 1,150-1,250 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 14% अधिक है।

दिल्ली के अन्य बाजारों में भी किराये में तेजी

ग्रेटर कैलाश-1 एम-ब्लॉक मार्केट: 12% की वृद्धि के साथ किराया 475-500 रुपये प्रति वर्ग फुट, कमला नगर मार्केट: 25% की जोरदार बढ़ोतरी, किराया 480-510 रुपये प्रति वर्ग फुट, लाजपत नगर: 9% वृद्धि के साथ 290-310 रुपये प्रति वर्ग फुट, पश्चिमी दिल्ली का पंजाबी बाग: 8% की बढ़ोतरी, अब किराया 250-270 रुपये प्रति वर्ग फुट और गुरुग्राम का गैलेरिया मार्केट: मुख्य सड़क पर किराया 20% बढ़कर 1,150-1,250 रुपये प्रति वर्ग फुट

नोएडा सेक्टर-18 में किराया स्थिर

दिल्ली-एनसीआर के इन बाजारों के मुकाबले, नोएडा सेक्टर-18 मार्केट में कोई बदलाव नहीं देखा गया। यहां किराया 200-225 रुपये प्रति वर्ग फुट पर स्थिर बना रहा। भीड़भाड़ और स्ट्रीट फूड के लिए मशहूर यह इलाका, किराये में स्थिरता के बावजूद रिटेलर्स के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार सभी किराये भूतल पर स्थित स्टोर के कारपेट एरिया के आधार पर निर्धारित किए गए हैं। खान मार्केट जैसे वीआईपी इलाकों में रेस्टोरेंट्स, कैफे और ब्रांडेड शोरूम की भरमार है, जिससे इसकी मांग हमेशा ऊंची बनी रहती है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने मोटरसाइकलि को मारी टक्कर, तीन मजदूरों की मौत

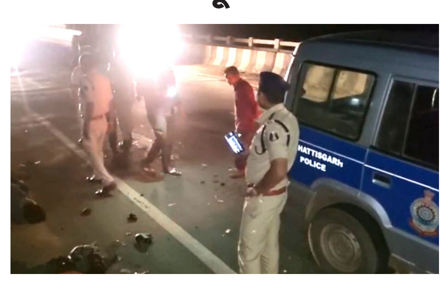

एजेंसी । सरगुजा

छत्तीसगढ़ के सीतापुर-अंबिकापुर मुख्य मार्ग एनएच-43 पर रविवार देर शाम काम से लौट रहे मोटरसाइकिल सवार मजदूरों को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार तीनों मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना सीतापुर थाना क्षेत्र में हुई है। जानकारी के अनुसार, लखनपुर गुमगा निवासी मृतक विनोद पैकरा अपने अन्य साथी के साथ रायगढ़ में काम के लिए गए थे। शाम को जहां से तीनों वापस लौट रहे थे। इस दौरान काराबेल पुल के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे के बाद दो व्यक्ति सड़क पर बुरी तरह जा गिरे और एक दूर जा गिरा। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

वक्फ विरोधी हिंसा › बंगाल के बाद अब असम में भी प्रदर्शन

पुलिस पर पथराव, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज

एजेंसी । सिलचर

वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ देशभर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच, रविवार को असम के सिलचर में हिंसा भड़क उठी। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प तब हुई जब सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके, जिसके बाद पुलिस को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। करीब 400 लोग वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में बेरेन्गा इलाके में सड़कों पर उतर आए और बिना अनुमति के प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने पथराव करना शुरू कर दिया, जिसके कारण पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।

विरोध प्रदर्शन और पुलिस की कार्रवाई

प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे दिखाए और भा.ज.पा. सरकार के खिलाफ नारे लगाए, साथ ही वक्फ संशोधन अधिनियम को निरस्त करने की मांग की। पुलिस ने स्थिति को शांत किया और इलाके को खाली करा लिया, हालांकि अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया जिसमें प्रदर्शनकारी जोरदार नारेबाजी करते हुए विरोध कर रहे थे।

मुख्यमंत्री की चेतावनी और प्रशासन की कार्रवाई

- इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस विरोध को लेकर संभावित अशांति की चेतावनी दी थी। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, हमें खुफिया जानकारी मिली थी कि अल्पसंख्यक समुदाय के विरोध प्रदर्शन के कारण राज्य में अशांति हो सकती है। मुख्यमंत्री ने पुलिस की तत्परता और अल्पसंख्यक नेताओं के साथ संवाद स्थापित करने की सराहना की, जिसके कारण राज्य में तीन स्थानों पर छोटे-छोटे विरोध प्रदर्शन के अलावा शांति बनी रही। मुख्यमंत्री ने बताया कि असम में तीन स्थानों पर छोटे विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिनमें 150 से अधिक लोग शामिल नहीं थे, और राज्य की लगभग 40 प्रतिशत मुस्लिम आबादी के बावजूद स्थिति शांतिपूर्ण रही।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि का 'जय श्री राम' नारा, राजनीति में हलचल

▸▸ राज्यपाल का छात्रों से नारा लगवाने का विवाद

एजेंसी । मदुरै

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने मदुरै में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों से 'जय श्री राम' का नारा लगवाया, जिससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। शनिवार को त्यागराज इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित एक साहित्यिक प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए राज्यपाल ने छात्रों से भगवान राम को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए यह नारा लगाने को कहा। उनका कहना था, 'मैं कहूंगा और आप कहेंगे जय श्री राम,' जिसके बाद छात्रों ने उसी स्वर में नारा लगाया।

संविधान और सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी

इससे पहले, सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यपाल के खिलाफ कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि उन्होंने राष्ट्रपति के विचारार्थ 10 विधेयकों को रोककर संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया है। अदालत ने यह भी कहा कि राज्यपाल को पूरी तरह से वीटो लगाने का अधिकार नहीं है।

राजनीतिक दलों और संस्थाओं की प्रतिक्रिया

राज्यपाल के इस बयान पर विभिन्न राजनीतिक दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कुछ दलों ने इसे संवैधानिक पद का उल्लंघन और राज्य के धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बताया है। एक शैक्षणिक संस्था ने राज्यपाल को पद से हटाने की मांग की है। एसपीसीएसएस-टीएन (स्टेट प्लेटफॉर्म फॉर कॉमन स्कूल सिस्टम – तमिलनाडु) ने कहा कि आरएन रवि ने राज्यपाल पद की शपथ का उल्लंघन किया है और वह संविधान के आदर्शों का पालन करने में विफल रहे हैं।

राज्यपाल की आलोचना और धार्मिक पक्षपाती होने का आरोप

कांग्रेस विधायक जेएमएच अस्सन मौलाना ने राज्यपाल पर धार्मिक नेता की तरह कार्य करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि राज्यपाल ने बच्चों को जय श्री राम का नारा लगाने के लिए प्रेरित करके धार्मिक असमानता को बढ़ावा दिया है, जो कि एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए अनुचित था।